हिन्दी दैनिक

# पथ प्रवाह

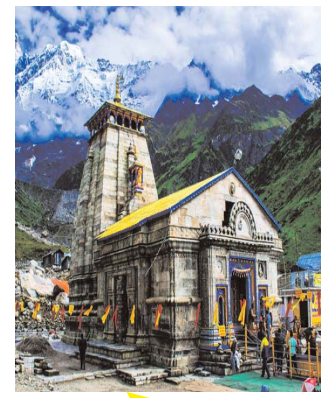

RNI No.: UTTHIN/2011/39282

निर्भीक, निष्पक्ष, सच का प्रवाह

वर्ष:5 अंक:152 पृष्ठ:08 मुल्य:1 रूपये | pathpravah.com | हरिद्वार, सोमवार, 08 जून 2026


# न्याय व्यवस्था को अधिक समावेशी, सुलभ एवं सुदृढ़ बनाने में 'जूडिशियम 2.0' महत्वपूर्ण पहल: मुख्यमंत्री

**पथ प्रवाह, देहरादून।**

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने यू. पी.ई.एस बिधौली में उत्तराखंड न्यायाधीश संघ के वार्षिक सम्मेलन 'जूडिशियम 2.0: इंक्लूज़न, एक्सेस एंड स्ट्रेंथनिंग' में प्रतिभाग किया। उन्होंने कहा कि न्याय व्यवस्था को अधिक समावेशी, सुलभ, पारदर्शी एवं प्रभावी बनाना सुशासन की मूल भावना है। उन्होंने कहा कि समाज के प्रत्येक वर्ग तक त्वरित एवं निष्पक्ष न्याय की पहुंच सुनिश्चित करना राज्य सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकताओं में शामिल है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि सम्मेलन की थीम समावेशिता, न्याय तक आसान पहुंच तथा न्यायिक संस्थाओं के सुदृढ़ीकरण जैसे अत्यंत महत्वपूर्ण विषयों पर केंद्रित है, जो विकसित भारत के निर्माण के संकल्प से भी जुड़ी हुई है। उन्होंने कहा कि न्याय व्यवस्था में समाज के प्रत्येक वर्ग को समान अवसर एवं सम्मान मिलना चाहिए तथा न्याय तक पहुंच में भौगोलिक अथवा आर्थिक परिस्थितियां बाधक नहीं बननी चाहिए। विशेष रूप से उत्तराखंड जैसे पर्वतीय राज्य में दूरस्थ क्षेत्रों के लोगों को सरल एवं सुलभ न्याय उपलब्ध कराना आवश्यक है। उन्होंने कहा कि न्याय की सार्थकता उसकी निष्पक्षता और समयबद्धता में निहित है। न्याय में अनावश्यक विलंब से आमजन का विश्वास प्रभावित होता है, इसलिए न्यायिक प्रक्रियाओं को अधिक प्रभावी और समयबद्ध बनाने की दिशा में सतत प्रयास

किए जाने चाहिए।

मुख्यमंत्री ने कहा कि न्यायपालिका लोकतंत्र का एक मजबूत स्तंभ है, जो नागरिकों के अधिकारों की रक्षा करने के साथ ही समाज में विश्वास एवं सुरक्षा की भावना को भी सुदृढ़ करती है। उन्होंने कहा कि कानून के शासन की सफलता न्यायपालिका के प्रति जनता के विश्वास पर निर्भर करती है और माननीय न्यायाधीश इस दायित्व का सफलतापूर्वक निर्वहन कर रहे हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश की न्यायिक व्यवस्था को आधुनिक, पारदर्शी और तकनीक-सक्षम बनाने के लिए अनेक ऐतिहासिक कदम उठाए गए हैं। भारतीय न्याय संहिता, भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता और भारतीय साक्ष्य अधिनियम जैसे नए कानूनों के साथ-साथ ई-कोर्ट्स, नेशनल ज्यूडिशियल डेटा ग्रिड, डिजिटल केस मैनेजमेंट और वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग जैसी व्यवस्थाओं ने न्यायिक प्रक्रियाओं को अधिक प्रभावी बनाया है। मुख्यमंत्री कहा कि राज्य सरकार भी न्यायालयों के आधारभूत ढांचे को मजबूत करने, डिजिटल कोर्ट, ई-फाइलिंग और वर्चुअल सुनवाई जैसी व्यवस्थाओं को सुदृढ़ बनाने के लिए निरंतर कार्य कर रही है। साथ ही राजस्व लोक अदालतों के माध्यम से वर्षों से लंबित मामलों का त्वरित एवं सौहार्दपूर्ण समाधान किया जा रहा है। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार कानून व्यवस्था को सुदृढ़ बनाने तथा अपराध के प्रति जीरो टॉलरेंस की नीति पर कार्य कर रही है। उन्होंने नकल विरोधी कानून, अवैध धर्मांतरण निरोधक कानून, दंगा रोधी कानून तथा भ्रष्टाचार एवं अवैध अतिक्रमण के विरुद्ध की जा रही कार्रवाई का उल्लेख करते हुए कहा कि इन प्रयासों से उत्तराखंड में कानून के राज को और अधिक मजबूती मिली है। मुख्यमंत्री ने कहा कि महिला सशक्तिकरण और सभी नागरिकों को समान न्याय उपलब्ध कराने के उद्देश्य से राज्य में लागू समान नागरिक संहिता एक ऐतिहासिक कदम है, जिसकी देशभर में चर्चा हो रही है। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि 'जूडिशियम 2.0' सम्मेलन न्याय व्यवस्था को अधिक समावेशी, सुलभ, पारदर्शी और प्रभावी बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा तथा विकसित एवं श्रेष्ठ उत्तराखंड के निर्माण के संकल्प को साकार करने में सहायक सिद्ध होगा। मुख्यमंत्री ने इस अवसर पर उत्तराखण्ड जज एसोसिएशन की कल्याण निधि के लिए 05 करोड़ की धनराशि रखे जाने की घोषणा की तथा एसोशिएशन की स्मारिका का विमोचन भी किया।

इस अवसर पर उत्तराखंड उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश न्यायमूर्ति मनोज कुमार गुप्ता, न्यायमूर्ति रविन्द्र मैठाणी, न्यायमूर्ति राकेश थपलियाल, न्यायमूर्ति आलोक मेहरा, न्यायमूर्ति सुभाष उपाध्याय, न्यायमूर्ति सिद्धार्थ साह, उत्तराखंड उच्च न्यायालय के रजिस्ट्रार जनरल योगेश कुमार गुप्ता, विभिन्न न्यायालयों के न्यायाधीश एवं गणमान्य उपस्थित थे।

## एक नजर

### मानसून सत्र से पहले इंडिया गठबंधन की महा बैठक...

**डीएमके की दूरी और टीएमसी में असंतोष के बीच विपक्षी एकता की अग्निपरीक्षा...**

**महंगाई, बेरोजगारी को लेकर केंद्र के खिलाफ बनेगी आंदोलन की रणनीति**

**परिसीमन पर आर-पार की तैयारी!**

नई दिल्ली(ईएमएस)। मानसून सत्र से पहले परिसीमन का मुद्दा एक बार फिर राष्ट्रीय राजनीति के केंद्र में है। केंद्र सरकार द्वारा परिसीमन से जुड़ा नया विधेयक या संशोधित प्रस्ताव लाए जाने की अटकलों के बीच कांग्रेस और इंडिया गठबंधन के सामने सबसे बड़ी चुनौती विपक्षी एकता और संसद में संख्या बल को बनाए रखने की है। परिसीमन केवल सीटों के पुनर्वितरण का मामला नहीं रह गया है, बल्कि यह 2029 के आम चुनाव से पहले देश के राजनीतिक शक्ति-संतुलन को प्रभावित करने वाला बड़ा मुद्दा बन चुका है। ऐसे में सोमवार की बैठक और मानसून सत्र से पहले का संख्या गणित कांग्रेस तथा इंडिया गठबंधन के लिए निर्णायक साबित हो सकता है। इस बैठक में परिसीमन के खिलाफ विपक्ष ठोस नीति बनाएगा और सरकार के खिलाफ आक्रामक रूख अपनाएगा।

बैठक में सबसे महत्वपूर्ण मुद्दा परिसीमन (डिलिमिटेशन) बिल होगा। मोदी सरकार संसद में इस बिल को आगे बढ़ाने की तैयारी कर रही है। संविधान संशोधन से जुड़े इस विधेयक को पारित कराने के लिए दो-तिहाई बहुमत की जरूरत होगी। विपक्ष की कोशिश होगी कि अप्रैल में संसद में दिखाई गई एकजुटता को दोहराया जाए, जब भाजपा आवश्यक संख्या जुटाने में सफल नहीं हो सकी थी। हालांकि विपक्ष के सामने चुनौतियां भी कम नहीं हैं। डीएमके कांग्रेस से नाराज है, जबकि बीजेपी पर तृणमूल कांग्रेस के सांसदों को अपने पाले में लाने की कोशिशों के आरोप लग रहे हैं। ऐसे में कांग्रेस के लिए सबसे बड़ी परीक्षा यह होगी कि वह बिखरते दिख रहे विपक्ष को एक मंच पर बनाए रख सके। देखना यह भी दिलचस्प होगा कि विजय की पार्टी टीवीके इसमें हिस्सा लेती है या नहीं।

विपक्षी गठबंधन इंडिया के बड़े नेता इस बैठक का मुख्य उद्देश्य भाजपा के नेतृत्व वाली सरकार के खिलाफ साझा रणनीति बनाना और विपक्षी एकता को मजबूत करना है। इसमें लगभग 15 विपक्षी दलों के प्रतिनिधि शामिल हो सकते हैं। यह बैठक हाल के विधानसभा चुनावों के नतीजों के बाद हो रही है। इन चुनावों में गठबंधन के दो मुख्य दल, तृणमूल कांग्रेस और डीएमके को हार का सामना करना पड़ा है। ये दोनों दल क्रमशः पश्चिम बंगाल और तमिलनाडु में सत्ता से बाहर हो गए हैं। बैठक में टीएमसी प्रमुख ममता बनर्जी, शिवसेना (यूबीटी) के उद्धव ठाकरे, समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष अखिलेश यादव, कांग्रेस नेता राहुल गांधी और कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे के शामिल होने की उम्मीद है। गठबंधन के समीकरणों में कुछ बड़े बदलाव भी देखने को मिल रहे हैं। कांग्रेस ने तमिलनाडु में डीएमके से नाता तोड़कर टीवीके का साथ दिया है।

# केशव नेगी को न्याय दिलाने के लिए सांसद त्रिवेंद्र सिंह रावत आगे आए

**पथ प्रवाह, नई दिल्ली/देहरादून।**

दिल्ली में हुए हालिया हादसे को लेकर राजनीतिक और सामाजिक प्रतिक्रियाएं तेज हो गई हैं। देवभूमि उत्तराखंड के निवासी केशव नेगी के मामले में अब उत्तराखंड के पूर्व मुख्यमंत्री एवं वर्तमान हरिद्वार सांसद त्रिवेंद्र सिंह रावत खुलकर सामने आए हैं। उन्होंने स्पष्ट कहा है कि केशव नेगी को न्याय दिलाने के लिए वे हरसंभव प्रयास करेंगे और इस लड़ाई में उनके परिवार के साथ कंधे से कंधा मिलाकर खड़े हैं। सांसद त्रिवेंद्र सिंह रावत ने इस मामले पर गहरी चिंता व्यक्त करते हुए कहा कि जैसे ही उन्हें दिल्ली हादसे के बाद केशव नेगी की गिरफ्तारी की जानकारी मिली,

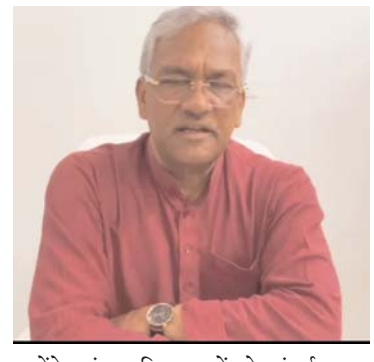

उन्होंने तुरंत अधिवक्ताओं से संपर्क साधा और पूरे मामले की जानकारी ली। उन्होंने कहा कि न्यायिक प्रक्रिया के तहत निष्पक्ष जांच होनी चाहिए ताकि सच्चाई सामने आ सके। उन्होंने आगे कहा कि उन्हें पूरा विश्वास है कि केशव नेगी को न्याय अवश्य मिलेगा। साथ ही उन्होंने नेगी के परिवार को भरोसा दिलाया कि इस कठिन समय में वे उनके साथ हैं और हरसंभव कानूनी एवं सामाजिक सहयोग प्रदान किया जाएगा। इस बयान के बाद उत्तराखंड में भी इस मामले को लेकर समर्थन की लहर देखने को मिल रही है। कई सामाजिक संगठनों और स्थानीय लोगों ने भी केशव नेगी के समर्थन में आवाज उठाई है और निष्पक्ष जांच की मांग की है। फिलहाल यह मामला जांच के दायरे में है और सभी की निगाहें आने वाले दिनों में होने वाली कानूनी प्रक्रिया पर टिकी हुई हैं।

# नीट पेपर लीक के बाद एनटीए सिस्टम बदलेगा

**एक्सपर्ट्स सवाल तैयार तो करेंगे, पर पता नहीं होगा किस एग्जाम के लिए किया**

नई दिल्ली। नीट-यूजी 2026 पेपर लीक और सीबीएसई की मार्किंग गड़बडियों के बाद सरकार परीक्षा व्यवस्था में बड़े बदलाव की तैयारी कर रही है। सूत्रों के मुताबिक, एनटीए ऐसा नया सिस्टम बनाने पर काम कर रही है, जिसमें सवाल तैयार करने वाले एक्पर्ट्स को भी पता नहीं होगा कि वह किस एग्जाम के क्वेश्चन पेपर बना रहे हैं। नई योजना के तहत अलग-अलग विषयों के एक्सपर्ट्स केवल सवाल तैयार करेंगे। इन सवालों को एक बड़े डिजिटल बैंक में रखा जाएगा। अधिकारियों के मुताबिक इसमें करीब 10 हजार सवाल हो सकते हैं। बाद में टेक्नीक की मदद से इन सवालों से फाइनल एग्जाम पेपर तैयार होगा।

एनटीए से जुड़े अधिकारी ने कहा कि हम चाहते हैं कि पूरे प्रश्नपत्र की जानकारी बहुत कम लोगों तक पहुंचे। सिस्टम को लोगों पर नहीं, प्रोसेस पर भरोसा करना चाहिए। पेपर लीक मामले में ट्रांसलेशन करने वालों की गिरफ्तारी के बाद एनटीए ट्रांसलेशन प्रोसेस में भी बदलाव करना चाहती है। एजेंसी पहले ही सुप्रीम कोर्ट को बता चुकी है कि वह करीब 85 प्रतिशत ट्रांसलेशन का काम एआई से कराने की योजना बना रही है। इसके बाद एक्सपर्ट्स सिर्फ यह जांचेंगे कि ट्रांसलेशन सही हुआ या नहीं। अधिकारियों का कहना है कि कोशिश यह भी रहेगी कि ट्रांसलेशन करने वालों को यह जानकारी न हो कि वे किस परीक्षा के सवाल देख रहे हैं। वहीं, एनटीए इस समय 21 जून को होने वाले नीट-यूजी री-टेस्ट की तैयारी भी कर रही है। अधिकारियों के मुताबिक कुछ बदलाव अभी से लागू किए जा चुके हैं।

# उत्तराखंड में 1500 स्ट्रीट फूड विक्रेताओं को मिलेगा प्रशिक्षण

**पथ प्रवाह, हरिद्वार**

उत्तराखंड में खाद्य सुरक्षा और स्वच्छता को बढ़ावा देने के उद्देश्य से फ़ूड एण्ड ड्रग एडमिनिस्ट्रेशन (एफडीए), नेशनल एसोसिएशन ऑफ स्ट्रीट वेंडर्स ऑफ इंडिया (एनएसवीआई) तथा नेस्ले इंडिया ने संयुक्त रूप से 'सर्व सेफ फूड' परियोजना का विस्तार किया है। इस पहल के तहत राज्य के आठ जिलों में 1500 स्ट्रीट फूड विक्रेताओं को खाद्य सुरक्षा, स्वच्छता और व्यवसायिक कौशल का प्रशिक्षण प्रदान किया जाएगा।

परियोजना के विस्तार के साथ उत्तराखंड में प्रशिक्षित स्ट्रीट फूड विक्रेताओं की कुल संख्या 5,900 से अधिक हो जाएगी। प्रशिक्षण कार्यक्रम का संचालन एनएसवीआई द्वारा किया जाएगा, जिसमें देहरादून, हरिद्वार, उत्तरकाशी, रुद्रप्रयाग, चमोली, पौड़ी गढ़वाल और टिहरी गढ़वाल सहित विभिन्न जिलों के विक्रेताओं को शामिल किया जाएगा।

परियोजना के उद्घाटन समारोह में एफडीए के उपायुक्त गणेश कंडवाल, अपर आयुक्त ताज बार सिंह, हरिद्वार के सहायक आयुक्त एम.एन. जोशी, मुख्य चिकित्सा अधिकारी आर.के. सिंह तथा नेस्ले इंडिया की पंतनगर फैक्ट्री के फैक्ट्री मैनेजर अमित दुग्गल सहित कई गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे। कार्यक्रम के तहत स्ट्रीट फूड विक्रेताओं को स्वास्थ्य एवं स्वच्छता मानकों, सुरक्षित खाद्य प्रबंधन, अपशिष्ट निपटान तथा उद्यमिता से संबंधित महत्वपूर्ण जानकारी और प्रशिक्षण दिया जाएगा। इसका उद्देश्य न केवल खाद्य पदार्थों की गुणवत्ता और सुरक्षा सुनिश्चित करना है, बल्कि विक्रेताओं के व्यवसायिक विकास को भी प्रोत्साहित करना है।

नेस्ले इंडिया के सस्टेनेबिलिटी और सामाजिक पहलों के प्रमुख कुंवर हिम्मत सिंह ने कहा कि नेस्ले इंडिया अपने उत्पादों तक सीमित न रहकर देशभर में खाद्य सुरक्षा मानकों को बेहतर बनाने के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा कि 'सर्व सेफ फूड' परियोजना के माध्यम से स्ट्रीट फूड विक्रेताओं को स्वच्छता और खाद्य सुरक्षा का व्यावहारिक प्रशिक्षण दिया जा रहा है, जिससे उनकी जागरूकता और कौशल दोनों में वृद्धि हो रही है। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि इस पहल का विस्तार स्थायी व्यवहार परिवर्तन लाने के साथ-साथ विक्रेताओं के व्यवसाय को अधिक सुरक्षित और टिकाऊ बनाने में सहायक सिद्ध होगा।

गौरतलब है कि नेस्ले इंडिया ने वर्ष 2016 में 'सर्व सेफ फूड' परियोजना की शुरुआत की थी। तब से यह कार्यक्रम देश के 27 राज्यों और 4 केंद्र शासित प्रदेशों में संचालित किया जा चुका है, जिसके माध्यम से 1.20 लाख से अधिक स्ट्रीट फूड विक्रेताओं को प्रशिक्षित किया गया है। इस पहल ने खाद्य सुरक्षा मानकों को मजबूत करने और उपभोक्ताओं को सुरक्षित भोजन उपलब्ध कराने की दिशा में महत्वपूर्ण योगदान दिया है।

उत्तराखंड में परियोजना के विस्तार से राज्य के हजारों स्ट्रीट फूड विक्रेताओं को लाभ मिलेगा तथा सुरक्षित और स्वच्छ खाद्य संस्कृति को बढ़ावा मिलेगा।

## एक नजर

### हरिद्वार पुलिस ने 1.40 लाख रुपये के 5 मोबाइल फोन बरामद किए

पथ प्रवाह, हरिद्वार। जनसेवा और नागरिकों की सहायता के लिए प्रतिबद्ध हरिद्वार पुलिस ने एक बार फिर सराहनीय कार्य करते हुए गुम हुए मोबाइल फोन उनके वास्तविक स्वामियों को वापस लौटाकर उनके चेहरों पर मुस्कान बिखेर दी। पुलिस की इस कार्रवाई से उन लोगों को बड़ी राहत मिली, जिन्होंने अपने मोबाइल फोन मिलने की उम्मीद लगभग छोड़ दी थी।

कोतवाली रानीपुर पुलिस ने सीईआईआर पोर्टल के माध्यम से गुम हुए मोबाइल फोन की तलाश अभियान चलाते हुए करीब 1 लाख 40 हजार रुपये मूल्य के 5 मोबाइल फोन सफलतापूर्वक बरामद किए। शनिवार को इन सभी मोबाइल फोन को उनके स्वामियों के सुपुर्द कर दिया गया। प्रभारी निरीक्षक कोतवाली रानीपुर के नेतृत्व में पुलिस टीम लगातार सीईआईआर पोर्टल के जरिए आमजन के खोए हुए मोबाइल फोन खोजने का कार्य कर रही है। पुलिस द्वारा पोर्टल का व्यापक प्रचार-प्रसार भी किया जा रहा है ताकि अधिक से अधिक लोग इस सुविधा का लाभ उठा सकें। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि बरामद किए गए मोबाइल फोन विभिन्न व्यक्तियों के थे, जो लंबे समय से गुम थे। कई फोन स्वामी तो अपने मोबाइल वापस मिलने की उम्मीद भी छोड़ चुके थे। लेकिन सीईआईआर पोर्टल की सहायता से इन मोबाइलों का पता लगाकर उन्हें बरामद किया गया। मोबाइल फोन वापस मिलने पर सभी स्वामियों ने पुलिस का आभार व्यक्त किया और पुलिस की कार्यशैली की सराहना की। हरिद्वार पुलिस ने लोगों से अपील की है कि मोबाइल फोन गुम होने की स्थिति में तत्काल सीईआईआर पोर्टल पर शिकायत दर्ज कराएं, जिससे फोन को ट्रेस कर बरामद करने में सहायता मिल सके।

### तीन साल की मासूम राधिका का अपहरण, सीसीटीवी में कैद हुए संदिग्ध महिला और पुरुष

पथ प्रवाह, हरिद्वार। कनखल थाना क्षेत्र के बैरागी कैंप से 3 वर्षीय मासूम बच्ची के अपहरण का मामला सामने आया है। जानकारी के अनुसार 06 जून को सुबह करीब 10.30 बजे ठोकर नंबर-10 बैरागी कैंप निवासी विनोद सोलंकी की पुत्री कुमारी राधिका (3 वर्ष) को एक महिला और एक पुरुष अपने साथ ले गए। घटना वहां लगे सीसीटीवी कैमरों में कैद हो गई है। फुटेज में दोनों संदिग्ध बच्ची को गोद में उठाकर और बाद में टेम्पो में ले जाते हुए स्पष्ट दिखाई दे रहे हैं। मामले की गंभीरता को देखते हुए थाना कनखल में बीएनएस के तहत अज्ञात आरोपितों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया गया है। पुलिस सीसीटीवी फुटेज के आधार पर संदिग्धों की पहचान और बच्ची की तलाश में जुटी हुई है। पुलिस ने आमजन से अपील की है कि यदि किसी व्यक्ति को बच्ची या फुटेज में दिखाई दे रहे महिला-पुरुष के संबंध में कोई जानकारी हो तो तत्काल नजदीकी पुलिस स्टेशन अथवा हरिद्वार पुलिस को सूचित करें।

## विधानसभा चुनाव 2027 में मजबूती से उतरेगा रालोद: त्रिलोक त्यागी

**पथ प्रवाह, हरिद्वार।**

प्रेस क्लब हरिद्वार में राष्ट्रीय लोकदल (रालोद) उत्तराखंड के गढ़वाल मंडल कार्यकर्ता सम्मेलन का आयोजन प्रदेश अध्यक्ष राजेंद्र पंत की अध्यक्षता में किया गया। सम्मेलन में रालोद के राष्ट्रीय महासचिव (संगठन) त्रिलोक त्यागी मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए। इस अवसर पर कार्यकर्ताओं एवं पदाधिकारियों ने उनका भव्य स्वागत किया।

सम्मेलन को संबोधित करते हुए त्रिलोक त्यागी ने कहा कि भारत रत्न चौधरी चरण सिंह ने अपना संपूर्ण जीवन किसान, मजदूर, युवा और आमजन के हितों के लिए समर्पित किया। उनकी विचारधारा आज भी समाज को नई दिशा प्रदान कर रही है। उन्होंने कहा कि चौधरी चरण सिंह उन जननायकों में शामिल रहे जिन्होंने अपने सिद्धांतों से कभी समझौता नहीं किया और भ्रष्टाचार के खिलाफ हमेशा प्रभावी कदम उठाए।

त्यागी ने कहा कि पूर्व केंद्रीय मंत्री चौधरी अजित सिंह ने भी किसानों और मजदूरों के हित में अनेक महत्वपूर्ण कार्य किए। वर्तमान में राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं केंद्रीय राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) जयंत चौधरी उनकी विचारधारा को आगे बढ़ाने का कार्य कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि देश का भविष्य युवाओं और महिलाओं की शक्ति पर आधारित है तथा जयंत चौधरी शिक्षा, कौशल विकास और खेलों के माध्यम से उन्हें सशक्त बनाने के लिए निरंतर प्रयासरत हैं।

उन्होंने बताया कि जयंत चौधरी का जल्द ही देहरादून दौरा प्रस्तावित है, जिसकी तैयारियों में सभी कार्यकर्ताओं को जुटना होगा। साथ ही उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय लोकदल वर्ष 2027 के उत्तराखंड विधानसभा चुनाव में मजबूती के साथ मैदान में उतरेगा और सरकार गठन में अपनी प्रभावी भूमिका निभाएगा।

रालोद के राष्ट्रीय सचिव एवं एससी-एसटी प्रकोष्ठ के राष्ट्रीय प्रभारी प्रबुद्ध कुमार ने कहा कि भारत रत्न चौधरी चरण सिंह और बाबा साहब डॉ. भीमराव आंबेडकर के विचारों में काफी समानता थी। दोनों महापुरुषों ने समाज के वंचित, शोषित एवं किसान वर्ग के उत्थान के लिए अपना जीवन समर्पित किया। उन्होंने कार्यकर्ताओं से संगठन को और अधिक मजबूत बनाने का आह्वान किया।

प्रदेश अध्यक्ष राजेंद्र पंत ने गढ़वाल मंडल से पहुंचे सभी पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि कम समय में उत्तराखंड में रालोद का संगठन तेजी से मजबूत हुआ है। उन्होंने विश्वास जताया कि आगामी चुनावों में पार्टी कई क्षेत्रों में प्रभावशाली भूमिका निभाएगी। साथ ही कहा कि जयंत चौधरी के प्रस्तावित देहरादून कार्यक्रम को भव्य रूप से आयोजित किया जाएगा और चौधरी चरण सिंह की विचारधारा को जन-जन तक पहुंचाने का कार्य निरंतर जारी रहेगा।

प्रदेश मीडिया प्रभारी निशांत चौधरी ने कार्यक्रम में उपस्थित सभी पदाधिकारियों, कार्यकर्ताओं एवं पत्रकारों का आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि चौधरी चरण सिंह ने उत्तर प्रदेश में विभिन्न जिम्मेदारियों का निर्वहन करते हुए तत्कालीन पर्वतीय क्षेत्र, वर्तमान उत्तराखंड, के लिए भूमि एवं वन संबंधी अनेक महत्वपूर्ण सुधार किए, जिनका लाभ आज भी प्रदेश को मिल रहा है।

कार्यक्रम में प्रदेश कोषाध्यक्ष प्रमोद डोभाल, प्रदेश सचिव आरती जायसवाल, रूपाली चौधरी, एससी-एसटी प्रकोष्ठ के प्रदेश अध्यक्ष उदयवीर सिंह राजा, प्रदेश महासचिव लोकेश सैनी, जिलाध्यक्ष राजीव चौधरी, प्रदेश सचिव डॉ. योगेंद्र उनियाल, विक्रम रावत, खेल प्रकोष्ठ के प्रदेश अध्यक्ष सिद्धांत चौधरी, युवा लोकदल के प्रदेश अध्यक्ष शैलेंद्र पवार, उबैदर रहमान सहित बड़ी संख्या में पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

## रानीपुर विधायक आदेश चौहान ने सड़क चौड़ीकरण कार्य का किया शिलान्यास

**पथ प्रवाह, हरिद्वार।**

क्षेत्र के विकास को नई गति देते हुए रानीपुर विधायक आदेश चौहान ने भेल मध्य मार्ग से रानीपुर कोतवाली होते हुए शिवालिकनगर की टिहरी विस्थापित कॉलोनी को जोड़ने वाले महत्वपूर्ण मार्ग के चौड़ीकरण कार्य का विधिवत शिलान्यास किया। लोक निर्माण विभाग द्वारा किए जाने वाले इस कार्य के तहत सड़क के दोनों ओर मजबूत टाइल्स लगाकर मार्ग को चौड़ा एवं सुगम बनाया जाएगा।

यह परियोजना क्षेत्र की बड़ी आबादी के लिए राहत लेकर आएगी। सड़क चौड़ीकरण से टिहरी विस्थापित कॉलोनी के वार्ड संख्या 06 एवं 07, सुभाषनगर के वार्ड संख्या 08 तथा शिवालिकनगर एस क्लस्टर के वार्ड संख्या 04 एवं 05 के निवासियों को सीधा लाभ मिलेगा। लंबे समय से संकरे मार्ग के कारण लोगों को आवागमन में कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा था। शिलान्यास कार्यक्रम को संबोधित करते हुए विधायक आदेश चौहान ने कहा कि सड़क के संकरे होने के कारण यहां आए दिन दुर्घटनाएं होती थीं। मार्ग के चौड़ीकरण के बाद न केवल सड़क हादसों में कमी आएगी बल्कि स्थानीय लोगों को सुरक्षित और सुविधाजनक आवागमन का लाभ भी मिलेगा। उन्होंने कहा कि यह मार्ग छोटे वाहनों के लिए शिवालिकनगर बाइपास के रूप में भी कार्य करेगा, जिससे मुख्य मार्गों पर यातायात का दबाव कम होगा। विधायक ने बताया कि क्षेत्र में आधारभूत सुविधाओं के विकास के लिए सरकार लगातार कार्य कर रही है। इसी क्रम में शिवालिकनगर और टिहरी विस्थापित कॉलोनी के वार्ड 04 एवं 05 के बीच पूर्व में एक पुल का निर्माण कराया जा चुका है, जबकि वार्ड 05 और 07 के बीच दूसरे पुल का निर्माण कार्य भी तेजी से प्रगति पर है। इस अवसर पर स्थानीय सभासद ब्रजलेश देवी ने विधायक का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि क्षेत्र में लगातार हो रहे विकास कार्यों से जनता में उत्साह का माहौल है। उन्होंने कहा कि सड़क और पुल जैसी आधारभूत सुविधाओं के विकास से क्षेत्र की सामाजिक और आर्थिक गतिविधियों को नई गति मिलेगी।

कार्यक्रम के दौरान स्थानीय निवासियों एवं जनप्रतिनिधियों ने विधायक आदेश चौहान का गर्मजोशी से स्वागत किया और क्षेत्र के विकास कार्यों के लिए उनका धन्यवाद ज्ञापित किया। इस अवसर पर बड़ी संख्या में गणमान्य नागरिक, सामाजिक कार्यकर्ता और क्षेत्रवासी उपस्थित रहे।

# कनाडा की केंद्र सरकार एवं कैलगरी नगर ने किया गायत्री परिवार का सम्मान

**पथ प्रवाह, हरिद्वार।**

देवभूमि उत्तराखण्ड से जन्मशताब्दी वर्ष का संदेश लेकर कनाडा पहुंचे शांतिकुंज के प्रतिनिधि डॉ चिन्मय पण्ड्या को कनाडा सरकार एवं कैलगरी नगर ने सम्मानित किया। उल्लेखनीय है कि कुछ दिन पूर्व ही ओंटारियो राज्य द्वारा युवा प्रतिनिधि डॉ पण्ड्या को सम्मानित किया गया था।

शांतिकुंज प्रतिनिधि डॉ पण्ड्या ने कहा कि यह सम्मान केवल एक व्यक्ति का नहीं, बल्कि युगऋषि पं. श्रीराम शर्मा आचार्य के विचारों, गायत्री परिवार के वैश्विक सेवा-कार्यों तथा भारतीय संस्कृति के सार्वभौमिक संदेश के प्रति व्यक्त श्रद्धा और सम्मान का प्रतीक है।

कनाडा की केंद्र सरकार की ओर से कैलगरी (अल्बर्टा) के तीन सांसदों ने विशेष सम्मान पत्र भेंटकर डॉ. पण्ड्या के विश्व शांति, मानवीय एकता, सांस्कृतिक समन्वय एवं वैश्विक सद्भाव के क्षेत्र में किए जा रहे उल्लेखनीय योगदानों के प्रति अपनी कृतज्ञता एवं सम्मान व्यक्त किया। उन्होंने मानवता के कल्याण तथा विश्वबंधुत्व की स्थापना हेतु गायत्री परिवार द्वारा किए जा रहे रचनात्मक प्रयासों की सराहना की। यह सम्मान गायत्री परिवार के उन सतत प्रयासों की अंतरराष्ट्रीय स्तर पर स्वीकृति है, जो पं. श्रीराम शर्मा आचार्य एवं माता भगवती देवी शर्मा के आदर्शों के अनुरूप मानवता के उत्थान, नैतिक जागरण और विश्वकल्याण के लिए निरंतर संचालित हैं।

वहीं कैलगरी नगर के उच्चाधिकारी ने भी डॉ. चिन्मय पण्ड्या का विशेष सम्मान किया। इस अवसर पर स्थानीय विधायक माइक जेमिसन ने सरकार का प्रतिनिधित्व करते हुए उन्हें सम्मान पत्र भेंट किया तथा उनके प्रेरणादायी नेतृत्व, मानवीय मूल्यों के संवर्धन और समाज-निर्माण में दिए जा रहे योगदान की सराहना की। कनाडा की केंद्र सरकार तथा कैलगरी नगर द्वारा प्राप्त ये सम्मान गायत्री परिवार के वैश्विक प्रभाव, सेवा-साधना और विश्वकल्याण के प्रति उसकी प्रतिबद्धता के गौरवपूर्ण प्रमाण हैं। अखिल विश्व गायत्री परिवार प्रमुखद्वय डॉ प्रणव पण्ड्या एवं शैलदीदी सहित देवसंस्कृति विवि व शांतिकुंज परिवार ने प्रसन्नता व्यक्त की है।

## एक नजर

### नशे में बाइक दौड़ा रहे चालक को दबोचा, वाहन सीज

पथ प्रवाह, हरिद्वार। हरिद्वार पुलिस की ड्रिंक एंड ड्राइव करने वाले वाहन चालकों के खिलाफ सख्त कार्रवाई लगातार जारी है। इसी क्रम में कोतवाली रानीपुर पुलिस ने विशेष चेकिंग अभियान चलाते हुए नशे की हालत में वाहन चला रहे एक बाइक चालक को गिरफ्तार कर उसका वाहन सीज कर दिया। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक नवनीत भुल्लर के निर्देशों पर प्रभारी निरीक्षक कोतवाली रानीपुर के नेतृत्व में पुलिस टीमों द्वारा रैश ड्राइविंग और शराब पीकर वाहन चलाने वालों के खिलाफ सघन अभियान चलाया जा रहा है। शनिवार देर रात को रानीपुर पुलिस ने चिन्मय चौक क्षेत्र में चेकिंग के दौरान एक मोटरसाइकिल चालक को संदिग्ध अवस्था में रोका। जांच में बाइक संख्या यूके 07 बीएन 1846 का चालक हिमांशु पुत्र ब्रजपाल, निवासी सिकरी भोगपुर, जनपद बिजनौर (उत्तर प्रदेश) नशे की हालत में वाहन चलाता पाया गया। पुलिस ने चालक का मेडिकल परीक्षण कराया, जिसमें शराब के नशे में वाहन चलाने की पुष्टि होने पर उसके खिलाफ धारा 185 मोटर वाहन अधिनियम के तहत कार्रवाई की गई। पुलिस ने आरोपी चालक को हिरासत में लेने के साथ ही उसकी मोटरसाइकिल को भी सीज कर दिया। पुलिस अधिकारियों ने कहा कि सड़क सुरक्षा को लेकर किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी और ड्रिंक एंड ड्राइव करने वालों के खिलाफ अभियान आगे भी जारी रहेगा।

### दुष्कर्म के आरोपित इनामी बदमाश को पुलिस ने दबोचा

पथ प्रवाह, हरिद्वार। कोतवाली गंगनहर रूड़की पुलिस ने नाबालिग लड़की को बहला-फुसलाकर भगाने और दुष्कर्म के मामले में फरार चल रहे नामजद आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। आरोपी की गिरफ्तारी पर वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक हरिद्वार द्वारा 5,000 का इनाम घोषित किया गया था। पुलिस के अनुसार, कोतवाली गंगनहर क्षेत्र निवासी एक व्यक्ति की तहरीर पर सलमान नामक युवक के खिलाफ उसकी नाबालिग बहन को बहला-फुसलाकर ले जाने तथा उसके साथ दुष्कर्म करने के आरोप में मुकदमा दर्ज किया गया था। मामले में बीएनएस की विभिन्न धाराओं के साथ पोक्सो एक्ट के तहत भी कार्रवाई की गई थी। घटना के बाद पुलिस टीम ने घटनास्थल और डिजिटल साक्ष्यों का गहन विश्लेषण किया तथा मुखबिर तंत्र को सक्रिय कर आरोपी की तलाश शुरू की। लगातार प्रयासों के बावजूद आरोपी पुलिस से बचता रहा, जिसके चलते उस पर 5,000 का इनाम घोषित किया गया। पुलिस ने आरोपित सलमान पुत्र इसरार, निवासी लाठर देवा शेख, थाना झबरेड़ा, जनपद हरिद्वार (उम्र 27 वर्ष) को थाना गंगनहर परिसर, रुड़की से हिरासत में लेकर गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तारी के बाद आरोपित के खिलाफ को न्यायालय में पेश किया गया, जहां से उसे न्यायिक अभिरक्षा में भेज दिया गया।

# स्मैक तस्करी पर पुलिस का शिकंजा, दो आरोपी गिरफ्तार

**पथ प्रवाह, हरिद्वार।**

उत्तराखंड पुलिस मुख्यालय द्वारा संचालित ऑपरेशन प्रहार एवं नशा मुक्ति अभियान के तहत हरिद्वार पुलिस की कार्रवाई लगातार जारी है। जनपद को नशामुक्त बनाने और मादक पदार्थों की तस्करी पर प्रभावी अंकुश लगाने के उद्देश्य से चलाए जा रहे अभियान के तहत थाना बुग्गावाला पुलिस ने दो आरोपियों को स्मैक/हेरोइन के साथ गिरफ्तार किया है।

वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक के निर्देशानुसार नशा मुक्त भारत एवं ड्रग्स फ्री देवभूमि अभियान के तहत पुलिस टीमों द्वारा लगातार चेकिंग और कार्रवाई की जा रही है। इसी क्रम में थाना बुग्गावाला पुलिस ने ग्राम शहीदवाला ग्रंट के पास चेकिंग अभियान के दौरान दो युवकों को संदिग्ध अवस्था में रोककर तलाशी ली।

तलाशी के दौरान सचिन पुत्र मैनपाल निवासी शहीदवाला ग्रंट, थाना बुग्गावाला के कब्जे से 2.41 ग्राम अवैध स्मैकध्हेरोइन

बरामद हुई। वहीं सुमित पुत्र महेंद्र निवासी बंजारेवाला, थाना बुग्गावाला के पास से 2.51 ग्राम अवैध स्मैक/हेरोइन बरामद की गई।

पुलिस ने दोनों आरोपियों को मौके से गिरफ्तार कर उनके विरुद्ध संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज कर उनका चालान कर दिया है। पुलिस यह भी पता लगाने में जुटी है कि बरामद मादक पदार्थ कहां से लाए गए थे और इनके नेटवर्क में अन्य कौन-कौन लोग शामिल हैं।

पुलिस का कहना है कि नशे के कारोबार में लिप्त व्यक्तियों के खिलाफ अभियान आगे भी इसी प्रकार जारी रहेगा और किसी भी कीमत पर नशा तस्करों को बख्शा नहीं जाएगा। पुलिस ने आमजन से भी नशे के विरुद्ध चलाए जा रहे अभियान में सहयोग करने और संदिग्ध गतिविधियों की सूचना तत्काल पुलिस को देने की अपील की है।

# डीएम मयूर दीक्षित के निर्देशों पर तेज हुई सीवरेज परियोजना, एक दिन में 346 मीटर सड़क पुनर्निर्माण कार्य पूरा

**पथ प्रवाह, हरिद्वार।**

जिलाधिकारी मयूर दीक्षित के निर्देशों के अनुपालन में हरिद्वार शहर में चल रहे सीवरेज निर्माण एवं सड़क पुनर्निर्माण कार्यों को युद्धस्तर पर गति दी जा रही है। निर्माण एवं अनुरक्षण इकाई गंगा उत्तराखंड पेयजल निगम द्वारा दिन-रात कार्य करते हुए परियोजना को शीघ्र पूरा करने के प्रयास किए जा रहे हैं।

हरिद्वार शहर में सीवरेज कार्यों के कारण खोदी गई सड़कों से स्थानीय नागरिकों, व्यापारियों और तीर्थयात्रियों को हो रही असुविधा को देखते हुए जिलाधिकारी ने संबंधित अधिकारियों एवं ठेकेदारों को निर्माण कार्यों में तेजी लाने के निर्देश दिए थे। साथ ही चारधाम यात्रा के मद्देनजर सभी क्षतिग्रस्त सड़कों का मरम्मत कार्य प्राथमिकता के आधार पर पूरा करने को कहा गया है। परियोजना प्रबंधक निर्माण एवं अनुरक्षण इकाई गंगा उत्तराखंड पेयजल निगम मीनाक्षी मित्तल ने बताया कि केएफडब्ल्यू वित्तपोषित हरिद्वार जलोत्सारण योजना के पैकेज-01 एवं पैकेज-02 के अंतर्गत सड़क पुनर्निर्माण कार्य तेजी से जारी हैं। उन्होंने बताया कि 6 जून को पैकेज-01 के अंतर्गत नाही रोड दुधाधारी चौक से डॉल्फिन होटल तक 60 मीटर तथा ऋषिकुल कॉलोनी में 24 मीटर सड़क निर्माण कार्य पूरा किया गया। इस प्रकार पैकेज-01 में कुल 84 मीटर कार्य पूर्ण हुआ। वहीं पैकेज-02 के अंतर्गत गणपतिधाम फेस-3 सीसी रोड पर 85 मीटर, गणपतिधाम फेस-3 पावर ब्लॉक में 90 मीटर, गणपतिधाम फेस-2 पावर ब्लॉक में 25 मीटर, मोहन एन्क्लेव सीसी रोड पर 36 मीटर तथा राज विहार फेस-1 पावर ब्लॉक में 26 मीटर सड़क निर्माण कार्य पूरा किया गया। पैकेज-02 में कुल 262 मीटर कार्य संपन्न हुआ। इस प्रकार दोनों पैकेजों में एक ही दिन में कुल 346 मीटर सड़क पुनर्निर्माण कार्य पूरा किया गया। अधिकारियों का कहना है कि निर्माण कार्य दिन-रात जारी हैं और जल्द ही सभी प्रभावित मार्गों को सुचारु कर दिया जाएगा, जिससे स्थानीय जनता, व्यापारियों और तीर्थयात्रियों को आवागमन में राहत मिलेगी।

RAJ VIHAR PHASE-I (PAVER BLOCK)

# सत्यापन अभियान: 78 मकान मालिकों पर 7.80 लाख का जुर्माना

**पथ प्रवाह, हरिद्वार।**

वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक नवनीत भुल्लर के निर्देश पर भगवानपुर पुलिस ने क्षेत्र में संदिग्ध व्यक्तियों, किरायेदारों, फड़-ठेली संचालकों और मजदूरों के सत्यापन को लेकर विशेष अभियान चलाया। सिसौना और सम्राट कॉलोनी में की गई कार्रवाई के दौरान 170 लोगों का मौके पर सत्यापन किया गया, जबकि बिना पुलिस सत्यापन के किरायेदार रखने वाले 78 मकान मालिकों के खिलाफ पुलिस एक्ट की धारा-83 के तहत कार्रवाई करते हुए कुल 7 लाख 80 हजार रुपये के कोर्ट चालान किए गए। पुलिस की इस ताबड़तोड़ कार्रवाई से क्षेत्र में हड़कंप मचा हुआ है।

# संपादकीय

## समंदर रो रहा है और हम सो रहे हैं

शायद ही कोई ऐसा इंसान होगा जिसे समंदर किनारे बैठना अच्छा न लगता हो। पानी की उठती-गिरती लहरें, ठंडी हवा और दूर तक फैला नीला पानी हर किसी का मन मोह लेता है। लेकिन क्या कभी हम यह सोचते हैं कि जिस समंदर को हम सिर्फ घूमने-फिरने की जगह समझते हैं, वो असल में हमारी हर सांस से जुड़ा हुआ है? आज 8 जून को पूरी दुनिया विश्व महासागर दिवस मना रही है। यह दिन सिर्फ अख़बारों में बधाई देने या भाषण झाड़ने का दिन नहीं है। यह दिन एक चेतावनी है उस समंदर की तरफ से, जो इंसानों की गलतियों की वजह से अब धीरे-धीरे बीमार पड़ रहा है।

संयुक्त राष्ट्र ने इस बार रीइमेजिन यानी फिर से सोचने की बात कही है, जो हमें याद दिलाती है कि अगर समंदर नहीं बचा, तो हमारा वजूद भी नहीं बचेगा। किताबों में तो लिख दिया जाता है कि धरती पर सत्तर प्रतिशत पानी है। लेकिन आसान भाषा में समझें तो यह समंदर हमारे ग्रह के फेफड़े हैं। हम जो सांस लेते हैं, उसकी आधी से ज़्यादा ऑक्सीजन समंदर के छोटे-छोटे पौधों से आती है, न कि सिर्फ जंगलों से। दुनिया का मौसम बदलना, टाइम पर बारिश होना और धरती का तापमान काबू में रहना, यह सब इसी नीले समंदर के दम पर मुमकिन हो पाता है। लेकिन इसके बदले में हम इंसान समंदर को क्या दे रहे हैं? सिर्फ और सिर्फ अपना कचरा! हमारे घरों, नालों और फैक्ट्रियों का सारा गंदा पानी और केमिकल आखिरकार समंदर में ही जाकर मिलता है। इससे भी बड़ा दुश्मन है प्लास्टिक। हर साल लाखों टन प्लास्टिक की बोतलें, थैलियां और चिप्स के पैकेट समंदर में फेंक दिए जाते हैं। आज हालत यह है कि समंदर के बीचों-बीच प्लास्टिक के तैरते हुए बड़े-बड़े पहाड़ बन चुके हैं। इस इंसानी लापरवाही की सबसे भारी कीमत बेज़ुबान समुद्री जीव चुका रहे हैं। कछुओं के मुंह में प्लास्टिक की स्ट्रॉ फंस जाती है, तो मछलियों के पेट से टनों प्लास्टिक की थैलियां निकल रही हैं। और नुकसान सिर्फ उनका नहीं हो रहा। जो मछलियां इस प्लास्टिक को खाती हैं, जब वही मछलियां इंसानों की थाली तक पहुंचती हैं, तो वो ज़हर घूम-फिरकर हमारे खुद के शरीर में आ जाता है। अगर हम भारत की बात करें, तो हमारी तटीय सीमा बहुत बड़ी है। करोड़ों मछुआरों के परिवारों की रोटी-रोटी इसी समंदर से चलती है। लेकिन पिछले कुछ सालों में आपने भी ध्यान दिया होगा कि समुद्री तूफानों की गिनती अचानक बढ़ गई है। आए दिन चक्रवात तबाही मचाते हैं। ऐसा इसलिए हो रहा है क्योंकि हमारी गलतियों से समंदर गर्म हो रहा है और उसका गुस्सा इन तूफानों के रूप में हमारे शहरों पर फूट रहा है। हम प्रकृति को जो दे रहे हैं, वही लौटकर हमारे पास आ रहा है। अब सवाल यह है कि एक आम आदमी क्या कर सकता है? हमें कोई बहुत बड़ा काम नहीं करना है, बस अपनी छोटी-छोटी आदतें बदलनी हैं। जब भी हम किसी बीच या नदी किनारे घूमने जाएं, तो वहां कचरा न फैलाएं। सिंगल-यूज़ प्लास्टिक का इस्तेमाल बंद कर दें। आज हमारे हाथ से छूटी एक प्लास्टिक की बोतल कल किसी मासूम जीव की जान ले सकती है।

रही बात सरकारों और नेताओं की, तो बड़े-बड़े वादे और कागजी नियम बहुत बन चुके। अब ज़रूरत इस बात की है कि फैक्ट्रियों के मालिक और नगर निगम वाले शहर का गंदा नाला सीधे नदियों और समंदर में गिराना बंद करें। जब तक इन पर तगड़ा जुर्माना नहीं लगेगा और कैमरे लगाकर निगरानी नहीं होगी, तब तक कुछ बदलने वाला नहीं है। आखिर में बात बस इतनी सी है कि समंदर हमें चुपचाप जीवन दे रहा है और हम बदले में उसे धीरे-धीरे मार रहे हैं। अगर हम आज भी नहीं सुधरे, तो आने वाले समय में समंदर किनारे सिर्फ कचरे के ढेर और बदबू ही मिलेगी, सुकून नहीं। इसलिए, इस 8 जून को मोबाइल पर केवल फोटो और स्टेटस लगाने का दिखावा करने के बजाय, खुद से एक छोटा सा वादा करें कि हम अपनी तरफ से गंदगी नहीं फैलाएंगे।

## आज शान्ति और संयम से काम लेने की जरुरत

**संजय गोस्वामी**

श्री राम की मर्यादा उनके कर्म ही आपको मानवता का संदेश देती है भगवान राम राजा बनने वाले थे और 14 साल का वनवास मिल गया आज थोड़ा सा दुःख हुआ नहीं की सिस्टम और सरकार का दोष, यह लोकतान्त्रिक देश 140 करोड़ लोगों का भारत है जब ठीक नहीं लग रहा बाद में चुनाव में हरा देना बहुत ज्यादा बुराई लिखने कॉकरोच पार्टी बनाने से दूसरे देश में ऐ खबर मज़ाक बन जाती है इसलिए कठिन परिस्थिति में संयम और शान्ति से काम लें राम ने भगवान शिव का त्रिपुरासुर धनुष उठाया था। यहाँ तक कि देवताओं, राक्षसों और नागों की पूरी सभा भी उसे नहीं उठा पाई थी। राम ने विष्णु का शारंग धनुष भी उठाया और तीनों लोकों (ब्रह्मांड) को हिला दिया। उन्होंने धुंधुभी नाम के एक राक्षस के शव को, जो कैलाश पर्वत से भी ऊँचा था, बस एक झटके में 10 योजन दूर फेंक दिया। राम ने एक ही बाण से पृथ्वी की सात परतों को भेद दिया। एक ही साधारण बाण से पूरे समुद्र को सुखा दिया। राम ने रावण पर अचूक ब्रह्मास्त्र का प्रयोग किया, जिसका वज़न मेरु और मंदार पर्वतों जितना था। राम कितने शक्तिशाली हैं? वे समस्त शक्ति के स्रोत हैं! वे नारायण का ही एक रूप हैं! उनकी शक्तियों की कोई सीमा नहीं है। [वाल्मीकि रामायण 5-51-45] में कहा गया है कि जिसे श्री राम मारने का निश्चय कर लें, उसे ब्रह्मा और शिव भी नहीं बचा सकते। चाहे चार मुख वाले स्वयंभू देवता ब्रह्मा हों, या तीन आँखों वाले रुद्र (जिन्होंने त्रिपुरा–माया द्वारा राक्षसों के लिए आकाश, वायु और पृथ्वी में सोने, चाँदी और लोहे से बनाए गए नगर–को जलाया था), या फिर वातावरण और आकाश के देवता तथा देवताओं के स्वामी महेंद्र हों; इनमें से कोई भी उस व्यक्ति को नहीं बचा सकता, जिसे राम युद्ध में मारने का निश्चय कर लें। वाल्मीकि रामायण 1-1-17 में कहा गया है कि वे स्वयं ही सत्य हैं और ऐसा कोई नहीं है जो उनकी बराबरी कर सके। शौर्य में राम विष्णु के समान हैं, और अपनी सुंदरता में वे चंद्रमा की तरह आकर्षक हैं; क्षमाशीलता में वे पृथ्वी के तुल्य हैं, लेकिन अपने क्रोध में वे प्रलयकारी अग्नि के समान हैं... और उदारता में वे धन के देवता कुबेर के समान हैं, तथा अपनी सत्यनिष्ठा में वे साक्षात् धर्म के समान हैं–सत्य का ही मूर्त रूप–जिनका कोई प्रतिद्वंद्वी नहीं है। वाल्मीकि रामायण के अरण्य कांड में कहा गया है कि यदि समस्त देवता और तीनों लोकों की समस्त सेनाएँ भी एक साथ आ जाएँ, तो भी वे श्री राम की शक्ति के सामने कुछ भी नहीं हैं। हे वैदेही! तुम्हारे पति को सर्प, असुर, गंधर्व, देवता, पिशाच या राक्षस–कोई भी पराजित नहीं कर सकता; इसमें तनिक भी संदेह नहीं है। हे शुभलक्षणा! देवताओं, मनुष्यों, गंधर्वों, पक्षियों, राक्षसों, किन्नरों, पशुओं, अथवा हे देवी, यहाँ तक कि अत्यंत भयानक राक्षसों में भी ऐसा कोई योद्धा नहीं है जो युद्ध में राम का सामना कर सके; क्योंकि किसी भी युद्ध में राम की शक्ति इंद्र के तुल्य होती है। इस प्रकार की बातें करना तुम्हारे लिए अनुचित है, क्योंकि युद्ध में राम को पराजित करना असंभव है; और जहाँ तक मेरी बात है, मैं राघव (राम) की अनुपस्थिति में तुम्हें इस घने वन में अकेला छोड़ने का साहस कदापि नहीं कर सकता। चाहे समस्त शक्तिशाली सम्राट अपनी संपूर्ण सेनाओं के साथ आ जाएँ, अथवा समस्त देवता अपने प्रमुखों के साथ एकत्रित हो जाएँ–अरे, उनकी तो बात ही क्या–यदि तीनों लोक भी एक साथ मिलकर, चाहे सामूहिक रूप से या अलग-अलग, विद्रोह करते हुए आ जाएँ, तो भी राम के पराक्रम को कोई रोक नहीं सकता।

# बिना किसी पहचान के नायक: जिन्होंने संकट में मानवता को बचाए रखा

**सुनील कुमार महला**

इंसानियत को सबसे बड़ा धर्म कहा जाता है, और हाल ही में मीडिया की सुर्खियों में आई एक घटना ने इस सत्य को फिर से प्रमाणित किया है।पाठक जानते होंगे कि दिल्ली के मालवीय नगर इलाके के एक होटल में 3 जून 2026, बुधवार को सुबह लगभग 9:45 बजे भीषण आग लग गई, जिसमें 21 लोगों की जान चली गई। मृतकों में 11 विदेशी नागरिक भी शामिल थे, जिनमें से अधिकांश अपने रिश्तेदारों के इलाज के लिए दिल्ली आए थे और उसी होटल में ठहरे हुए थे। इस दुखद घटना के दौरान एक तस्वीर ने पूरे देश का ध्यान अपनी ओर आकर्षित किया। तस्वीर में कई लोग होटल की ऊंचाई से सड़क पर बिछाए गए गद्दों पर कूदकर अपनी जान बचाते दिखाई दिए। मीडिया में प्रकाशित समाचारों के अनुसार यह साहसिक और सूझबूझ भरा कार्य होटल के ठीक सामने गद्दों की दुकान चलाने वाले रियाजुद्दीन मंसूरी और उनके बेटे अरमान मंसूरी ने किया था। आग की भयावहता को देखते हुए उन्होंने तुरंत अपनी दुकान के गद्दे सड़क पर बिछा दिए, जिससे होटल में फंसे लोग उन पर कूदकर सुरक्षित बाहर निकल सके।उपलब्ध जानकारी के अनुसार सड़क पर बिछाए गए गद्दों पर एक बार में सात से आठ लोगों ने छलांग लगाई, जबकि बाद में यह संख्या बढ़कर बारह से पंद्रह लोगों तक पहुंच गई। इस प्रयास से कई लोगों की जान बच गई। रियाजुद्दीन और उनके बेटे ने केवल इतना ही नहीं किया, बल्कि उन्होंने घायलों को बाहर निकालने में भी सहायता की और उन्हें अस्पताल भिजवाने के लिए चादरें तथा अन्य आवश्यक कपड़े उपलब्ध कराए। यहां तक कि एंबुलेंस से शव ले जाने के लिए भी उन्होंने बेडशीट और रजाइयों के कवर दिए। इस मानवीय कार्य के दौरान उनकी दुकान का काफी सामान नष्ट हो गया। हालांकि, इस लेख के लिखे जाने तक उनके नुकसान की भरपाई के लिए प्रशासन की ओर से कोई सहायता नहीं मिली थी। इसके बावजूद रियाजुद्दीन मंसूरी इस बात से संतुष्ट हैं कि उन्होंने संकट की घड़ी में लोगों की जान बचाने में योगदान दिया। उन्होंने मीडिया से बातचीत में कहा, आग देखकर जब हमें लगा कि शायद लोग नहीं बच पाएंगे, तो हमने अपनी दुकान के गद्दे रोड पर बिछा दिए। उस पर एक बार में सात से आठ लोग कूदे। फिर उनकी संख्या बढ़कर 12 से 15 हो गई। ये सब सुरक्षित बच गए। फिर हमने एंबुलेंस से बॉडी ले जाने के लिए भी बेड-शीट और रजाई के कवर दिए।

मदद का सुकून है, पर दुकान के माल की भरपाई के लिए कोई नहीं आया। रियाजुद्दीन मंसूरी ने यह भी बताया कि यदि होटल का दूसरा निकास द्वार खुला होता, तो और अधिक लोगों की जान बचाई जा सकती थी। इस दुर्घटना के दौरान मालवीय नगर थाने में तैनात हवलदारों और सिपाहियों ने भी राहत एवं बचाव अभियान में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई तथा लोगों को सुरक्षित निकालने के लिए लगातार प्रयास किए, यह सराहनीय है। दिल्ली की इस भीषण आग के दौरान जो दृश्य सामने आए, वे इस बात का जीवंत प्रमाण हैं कि आज के स्वार्थ और भागदौड़ से भरे युग में भी इंसानियत पूरी तरह जीवित है। संकट के समय कुछ लोगों द्वारा दिखाया गया साहस, संवेदनशीलता और निःस्वार्थ सेवा मानवता की सर्वोच्च भावना को अभिव्यक्त करता है। राष्ट्रकवि मैथिलीशरण गुप्त ने भी कहा है-वही मनुष्य है कि जो मनुष्य के लिए मरे, यही पशु-प्रवृत्ति है कि आप ही आप चरे। ईश्वर ने मनुष्य को इस धरती का सबसे विवेकशील प्राणी बनाया है। इसलिए केवल अपने स्वार्थ, भोजन और संग्रह के लिए जीवन व्यतीत करना पशु-प्रवृत्ति के समान है। मानव जीवन का उद्देश्य इससे कहीं अधिक व्यापक और उच्च होना चाहिए। जब मनुष्य अपने विवेक को भूलकर अभिमान और अहंकार के प्रभाव में जीने लगता है, तब वह पतन के मार्ग पर अग्रसर हो जाता है। आपदाएं और विपरीत परिस्थितियां पलभर में मनुष्य को उसकी सीमाओं और बेबसी का एहसास करा देती हैं।

वास्तव में संसार में इंसानियत से बड़ा कोई धर्म, मजहब या आस्था नहीं है। सच्चा मनुष्य वही है जो बिना किसी भेदभाव के संकट में फंसे लोगों की सहायता करे और उनके दुःख को अपना दुःख समझे। परोपकार, करुणा, सहानुभूति और सेवा की भावना ही मानव जीवन को सार्थक बनाती है। दिल्ली की यह घटना हमें याद दिलाती है कि मानवता आज भी जीवित है और यही मानव सभ्यता की सबसे बड़ी शक्ति है।

# व्यवस्था के बाहर ही नहीं भीतर भी भरी है कॉकरोच

**तनवीर जाफ़री**

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मन की बात कार्यक्रम के 134वें एपिसोड में लोगों से गर्मी से बचाव करने हेतु सावधानी बरतने की अपील की थी। इस अपील में दोपहर के समय घर से बाहर नहीं निकलना और चक्कर आने पर छायादार जगह पर लेटना जैसे अनेक देसी उपाय शामिल थे। परन्तु इस अपील के बावजूद गत 6 जून को हज़ारों छात्रों व युवाओं को दिल्ली की चिलचिलाती धूप में जंतर मंतर पर इकठ्ठा होने के लिये मजबूर होना पड़ा। यह युवा व छात्र देश के शिक्षा मंत्री से इस्तीफ़े की मांग कर रहे थे। जेन ज़ी ने जंतर मंतर पर यह घोषणा की कि यदि शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान इस्तीफ़ा नहीं देते तो इस तरह के प्रदर्शन देशभर में किये जायेंगे। ग़ौरतलब है कि धर्मेंद्र प्रधान विगत लगभग 5 वर्षों से लगातार भारत सरकार के शिक्षा मंत्री के पद पर आसीन हैं। उन्हीं के कार्यकाल के दौरान नीट-यूजी 2024 जिसकी परीक्षा 5 मई 2024 को निर्धारित थी,का पेपर बिहार में लीक हुआ था। इस मामले में कई आरोपी गिरफ़्तार भी हुए थे। अभी पिछले दिनों उन्हीं के कार्यकाल में नीट-यूजी का पेपर लीक हुआ। इस से दुखी होकर चार छात्रों ने आत्महत्या कर ली और लगभग 22 लाख छात्रों का भविष्य अधर में लटक गया। हालांकि कांग्रेस ने 2014-2024 तक 25 परीक्षाओं की सूची जारी की है जिसमें बिहार ङ्घश्वङ्घ, यूपीएससी तथा बिहार, उत्तर प्रदेश व राजस्थान आदि की राज्य स्तर की भर्ती परीक्षाओं में धांधली अथवा पेपर लीक की शिकायत है। इनमें से कई मामले धर्मेंद्र प्रधान के पिछले कार्यकाल यानी 2021-2024 में हुए। ऐसे में युवा बेरोज़गार छात्रों का आक्रोशित होना स्वाभाविक है।

अभी पेपर लीक पर युवाओं का आक्रोश सोशल मीडिया के माध्यम से सत्ता व व्यवस्था पर फूट ही रहा था की अचानक भारत के मुख्य न्यायाधीश जस्टिस सूर्यकांत ने गत 15 मई को एक मामले की सुनवाई के दौरान यह कह दिया कि कॉकरोच की तरह ऐसे देश के कई युवा हैं, जिन्हें रोज़गार नहीं मिल रहा है। ये युवा आगे चलकर मीडिया, सोशल मीडिया और आर टी आई कार्यकर्ता बन जाते हैं और फिर व्यवस्था पर हमला शुरू कर देते हैं । जस्टिस सूर्यकांत के इस बयान के सार्वजनिक होते ही पहले से ही बेरोज़गारी व अनिश्चितता के माहौल में जी रहे देश के युवाओं में स्वभाविक रूप से उबाल आ गया। हालांकि विवाद बढ़ने पर मौक़े की नज़ाकत को भांप मुख्य न्यायाधीश ने अपनी सफ़ाई देते हुये कहा कि उनकी बात को तोड़-मरोड़ के पेश किया गया है। उनका निशाना युवा नहीं थे, बल्कि फ़र्ज़ी डिग्रियों और ग़लत तरीक़ों से प्रतिष्ठित पेशों में घुसपैठ कर रहे लोग थे। उन्होंने कहा कि मुझे हर भारतीय युवा पर गर्व है और हर युवा मुझे प्रेरणा देता है और वह युवाओं को विकसित भारत के स्तंभ के तौर पर देखते हैं। परन्तु मुख्य न्यायाधीश का स्पष्टीकरण आने तक देश का बेरोज़गार युवा और व्यवस्था से नाराज़ नई युवा पीढ़ी जेन ज़ी आक्रोशित हो चुकी थी। अभिजीत दीपके जोकि पूर्व में आम आदमी पार्टी के साथ एक राजनीतिक संचार रणनीतिकार के रूप में भी काम कर चुके हैं, ने 16 मई 2026 को सोशल मीडिया पर आधिकारिक रूप से कॉकरोच जनता पार्टी के नाम से पहले एक मज़ाक़िया ऑनलाइन पेज शुरू किया बाद में यह इंस्टाग्राम, ङ्घ (ट्विटर) जैसे प्लेटफ़ॉर्म पर तेज़ी से वायरल हुआ और देखते ही देखते मात्र चार दिन में इस पेज ने रिकार्ड 44 लाख से अधिक युवा समर्थक जुटा लिए। इंस्टाग्राम पर तो सिर्फ़ 5 दिन में 1.87 करोड़ फॉलोवर्स हो गये। इस अभियान से भयभीत सरकार ने राष्ट्रीय सुरक्षा का हवाला देकर इसका ङ्घ (ट्विटर) अकाउंट भारत में ब्लॉक करवा दिया। जस्टिस सूर्यकांत द्वारा देश के युवाओं को काकरोच अथवा परजीवी कहे जाने के बाद व अपने इस बयान पर सफ़ाई दिये जाने के बावजूद कॉकरोच की परछाई उनका पीछा नहीं छोड़ रही है। गत 4 जून को लंदन विश्वविद्यालय के बर्कबेक कॉलेज में आर्टिफ़िशियल इंटेलिजेंस (AI) और अंतरराष्ट्रीय क़ानून विषय पर आयोजित एक व्याख्यान में कई प्रतिभागियों ने भारत में लोकतंत्र के रिकॉर्ड और असहमति के प्रति बढ़ती शत्रुता को लेकर जस्टिस सूर्यकांत के समक्ष सवाल उठाया। यह हंगामा भी जस्टिस सूर्यकांत के 15 मई के बेरोज़गार युवाओं को कॉकरोच बताने वाले बयान से जुड़ा है। गोया भारतीय युवाओं का आक्रोश अब भारत से बाहर भी नज़र आने लगा है। युवाओं का ग़ुस्सा केवल कॉकरोच जनता पार्टी के प्रदर्शन के रूप में दिल्ली में ही नहीं फूटा बल्कि कांग्रेस,युवा कांग्रेस व राष्ट्रीय छात्र संगठन ने भी राष्ट्रव्यापी विरोध प्रदर्शन कर शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान का इस्तीफ़ा माँगा तथा पेपर लीक के दोषियों के विरुद्ध सख़्त कार्रवाई की मांग की।

ऐसा लगता है कि शिक्षा मंत्री की प्राथमिकता पारदर्शी व साफ़ सुथरी परीक्षाएं कराना नहीं बल्कि शिक्षा जैसे नाज़ुक व गंभीर क्षेत्र में भी अपना एजेंडा लागू करना है। इसी एजेंडे के तहत कहीं पाठ्यक्रमों में व्यापक बदलाव किया जा रहा है तो कहीं इतिहास को ही बदलने की कोशिश की जा रही है। कहीं सर्वधर्म समभाव व साम्प्रदायिक सौहार्द की सीख देने वाले अध्यायों को पाठ्यक्रमों से निकाला जा रहा है तो कहीं पाठ्यक्रमों में आधुनिक विज्ञान,प्रौद्योगिकी को बढ़ावा देने के बजाय धर्म और संस्कृति की शिक्षा दी जा रही है। इसके अतिरिक्त विशेष विचारधारा के अनेक अयोग्य लोगों को वॉइस चांसलर जैसे पदों पर नियुक्त किया जा रहा है। मिसाल के तौर पर वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय (जौनपुर, उत्तर प्रदेश) के इसी तरह के एक पूर्व वाइस चांसलर का नाम डॉ. राजाराम यादव था। जिन्होंने छात्रों को भीख मांगने को रोज़गार बताया था। उन्होंने कहा था कि बेरोज़गार युवा ट्रेन में खंजरी बजाकर भीख मांग कर कमाई कर सकते हैं। यह बयान उस समय छात्रों में भारी आक्रोश पैदा कर गया था। छात्रों ने इस पर तीखी प्रतिक्रिया दी थी कि बेरोज़गारी का समाधान भीख मांगना नहीं बल्कि सही रोज़गार सृजन है। इसी वाइस चांसलर ने छात्रों को हिंसा करने के लिये भी उकसाया था।

गोया पूरी शिक्षा प्रणाली को ही साम्प्रदायिकता का कलेवर चढ़ा कर नए ढंग से परिभाषित करने का प्रयास किया जा रहा है। उधर ग़रीबों के बच्चों की शिक्षा का एकमात्र सहारा समझे जाने वाले देशभर के लाखों सरकारी विद्यालय बंद हो चुके हैं। जबकि नित नए निजी व मंहगे स्कूल कॉलेज व यूनिवर्सिटीज़ खुलते जा रहे हैं। जोकि आम लोगों की पहुँच से बाहर हैं। कहना ग़लत नहीं होगा कि सरकार की ऐसी ही नाकामी व अनदेखी की वजह से ही आज कॉकरोच केवल व्यवस्था के बाहर ही नहीं इस व्यवस्था के भीतर भी भरी पड़ी हैं।

# देहरादून





# सिल्क्यारा रेस्क्यू की गूंज से ब्रिक्स मंच पर चमका उत्तराखंड का आपदा प्रबंधन मॉडल

**पथ प्रवाह, देहरादून।**

प्राकृतिक आपदाओं और वर्षा जनित संकटों की दृष्टि से बेहद संवेदनशील उत्तराखंड ने आपदा प्रबंधन के क्षेत्र में एक बार फिर राष्ट्रीय ही नहीं, अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अपनी मजबूत पहचान दर्ज कराई है। भारत की अध्यक्षता में ओडिशा के पुरी में 3 से 5 जून 2026 तक आयोजित क्चक्कष्टस् छ्वह्यड्डह्यह्लद्गह् ऋद्बह्यद्म ऋद्गस्रह्वष्ह्लद्बश्ठ्ठ (छ्रक्र) 2शह्म्द्मद्बठ्ठद्द द्दह्म्श्हव्श्च की द्वितीय तकनीकी बैठक में उत्तराखंड के आपदा प्रबंधन मॉडल की मुक्त कंठ से सराहना की गई।

तीन दिवसीय इस अहम बैठक में ब्राजील, रूस, भारत, चीन, दक्षिण अफ्रीका, मिस्र, इथियोपिया, ईरान, सऊदी अरब, संयुक्त अरब अमीरात और इंडोनेशिया सहित 11 ब्रिक्स सदस्य एवं साझेदार देशों के वरिष्ठ अधिकारी, तकनीकी विशेषज्ञ और नीति निर्माता शामिल हुए। बैठक का उद्देश्य आपदा जोखिम न्यूनीकरण, मजबूत अवसंरचना, सामुदायिक आधारित पूर्व चेतावनी प्रणाली, पूर्वानुमान आधारित त्वरित प्रतिक्रिया तंत्र और आपदा प्रबंधन के लिए सतत वित्तीय व्यवस्थाओं पर अनुभवों का आदान-प्रदान करना था।

सम्मेलन में विभिन्न देशों ने आपदा प्रबंधन के क्षेत्र में अपने नवाचार और सफल मॉडल साझा किए। इसी क्रम में उत्तराखंड की ओर से सेनानायक एसडीआरएफ अर्पण यदुवंशी (आईपीएस) और यूएलएमएमसी के निदेशक शांतनु सरकार ने राज्य का प्रतिनिधित्व किया। दोनों अधिकारियों ने उत्तराखंड राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण के नेतृत्व में विकसित आपदा जोखिम न्यूनीकरण, पूर्व तैयारी, क्षमता विकास, तकनीकी नवाचार और प्रभावी प्रतिक्रिया तंत्र पर विस्तृत प्रस्तुति दी।

प्रस्तुति के दौरान उत्तराखंड की भौगोलिक जटिलताओं, हिमालयी परिस्थितियों, भूस्खलन, अतिवृष्टि, ग्लेशियर झीलों, सड़क अवरोध और तीर्थयात्रा से जुड़े जोखिमों को विस्तार से रखा गया। साथ ही राज्य में विकसित बहु-एजेंसी समन्वय प्रणाली, पूर्व चेतावनी तंत्र और त्वरित राहत-बचाव व्यवस्था को भी प्रमुखता से प्रस्तुत किया गया।

विशेष रूप से सिल्क्यारा टनल रेस्क्यू ऑपरेशन और धराली आपदा प्रबंधन कार्यों को उत्तराखंड के सफल आपदा प्रबंधन मॉडल के रूप में सामने रखा गया। सम्मेलन में मौजूद प्रतिनिधियों ने इन अभियानों को कठिन भौगोलिक परिस्थितियों में धैर्य, तकनीक, प्रशासनिक समन्वय और मानवीय संवेदनशीलता का उत्कृष्ट उदाहरण बताया।

बैठक में उत्तराखंड राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण की पूर्व चेतावनी प्रणाली, जोखिम न्यूनीकरण उपायों और विभिन्न विभागों के बीच तालमेल की विशेष सराहना की गई। वहीं, उत्तराखंड एसडीआरएफ की त्वरित और प्रभावी प्रतिक्रिया क्षमता को चुनौतीपूर्ण परिस्थितियों में उत्कृष्ट आपदा प्रतिक्रिया मॉडल के रूप में रेखांकित किया गया। सेनानायक एसडीआरएफ अर्पण यदुवंशी ने कहा, ' मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के आपदा प्रबंधन को लेकर संवेदनशील और सक्रिय दृष्टिकोण के कारण राज्य में जोखिम न्यूनीकरण, पूर्व तैयारी, क्षमता निर्माण और एजेंसियों के बीच समन्वय को लगातार मजबूत किया जा रहा है। वैज्ञानिक योजना, कुशल प्रशासन और समयबद्ध निर्णय प्रक्रिया के जरिए आपदाओं के प्रभाव को न्यूनतम करने का प्रयास किया जा रहा है।'

उन्होंने कहा कि उत्तराखंड जैसे पर्वतीय राज्य में आपदा प्रबंधन केवल राहत और बचाव तक सीमित नहीं रह सकता। इसके लिए पूर्व तैयारी, स्थानीय समुदायों की भागीदारी, प्रशिक्षित बलों की उपलब्धता और तकनीक आधारित निगरानी व्यवस्था अत्यंत आवश्यक है।

आपदा प्रबंधन सचिव विनोद कुमार सुमन के निर्देशन में राज्य में संचालित गतिविधियों को भी प्रतिनिधियों के साथ साझा किया गया। यूएलएमएमसी निदेशक शांतनु सरकार ने कहा, ' भू-स्थानिक तकनीक, रिमोट सेंसिंग, डेटा एनालिटिक्स और पूर्व चेतावनी तंत्र आपदा जोखिम न्यूनीकरण को अधिक प्रभावी बना रहे हैं। भविष्य की आपदा चुनौतियों से निपटने में तकनीक आधारित समाधान निर्णायक भूमिका निभाएंगे।'

सम्मेलन की प्रमुख उपलब्धियों में ब्रिक्स देशों के बीच आपदा जोखिम न्यूनीकरण में सहयोग को मजबूत करना, तकनीकी नवाचारों को बढ़ावा देना, सामुदायिक स्तर पर तैयारी को सुदृढ़ करने के लिए साझा रणनीतियां विकसित करना और वैश्विक आपदा प्रबंधन सहयोग को नई दिशा देना शामिल रहा।

क्चक्कष्टस् छ्वह्यड्डह्यह्लद्गह् ऋद्बह्यद्म ऋद्गस्रह्वष्ह्लद्बश्ठ्ठ (छ्रक्र) 2शह्म्द्मद्बठ्ठद्द द्दह्म्श्हव्श्च की बैठक में उत्तराखंड के मॉडल को मिली सराहना को राज्य के लिए बड़ी उपलब्धि माना जा रहा है। यह उत्तराखंड राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण, एसडीआरएफ और अन्य एजेंसियों के सतत प्रयासों को मिली अंतरराष्ट्रीय मान्यता है।

## एक नजर

### पिंडारी ग्लेशियर ट्रेक क्षेत्र से लापता ट्रेकर की तलाश के लिए अभियान जारी

पथ प्रवाह, उत्तर काशी। थाना कपकोट क्षेत्र के विश्व प्रसिद्ध पिंडारी ग्लेशियर में ट्रैकिंग के दौरान लापता हुए 28 वर्षीय युवक अभिषेक चौहान की खोज के लिए पुलिस और प्रशासन ने पूरी ताकत झोंक दी है। खाती गांव से आगे पिंडारी घाटी के दुर्गम इलाकों में बड़े पैमाने पर सर्च एंड रेस्क्यू ऑपरेशन हेतु स्थानीय पुलिस, एसडीआरएफ, एनडीआरएफ, राजस्व विभाग, वन विभाग, फायर सर्विस व आपदा मित्रों की संयुक्त टीमें पिंडारी ग्लेशियर सहित आसपास के जंगलों, गहरी खाइयों, गधेरों, चट्टानों के बीच स्थित छोटे-छोटे उड्यारों, झाड़ी-झंखाड़ एवं अन्य सभी संभावित स्थानों पर गहन सर्च अभियान चला रही हैं। इसके लिए आधुनिक ड्रोन कैमरो के माध्यम से पिंडारी ग्लेशियर ट्रेक एवं आसपास के सम्पूर्ण क्षेत्र का गहन सर्च अभियान संचालित किया जा रहा है, ताकि किसी भी संभावित स्थान की बारीकी से जाँच की जा सके।

पुलिस अधीक्षक बागेश्वर जितेन्द्र मेहरा (द्बक्र) द्वारा अभियान की निरंतर समीक्षा व निगरानी की जा रही है। सर्च टीमें घटना स्थल के आस-पास के प्रत्येक हिस्से की बारीकी से छानबीन कर रही हैं, साथ ही, जनपद पुलिस का गुमशुदा व्यक्ति के परिवार से लगातार समन्वय के अतिरिक्त गुमशुदा व्यक्ति का सुराग लगाने के लिए उनके दोस्तों, करीबियों और रिश्तेदारों से भी लगातार संपर्क कर हर संभावित इनपुट लेकर बागेश्वर पुलिस गुमशुदा की सुरक्षित बरामदगी के लिए हर संभव प्रयास कर रही है। इसके लिए सरहदी जनपदों और थानों को भी गुमशुदा के पंपलेट भेजकर सूचित किया गया है।

लापता ट्रेकर अभिषेक चौहान पुत्र रघुराज चौहान नोएडा का रहने वाला है, उसका मूल निवास ग्राम शेखुपूरा, पोस्ट कन्डेला, तहसील कैराना, जिला शामली (उत्तर प्रदेश) है। पुलिस ने अपील की है कि यदि किसी भी ट्रैकर, गाइड या स्थानीय नागरिक को इस युवक के संबंध में कोई भी जानकारी मिले, तो तुरंत थानाध्यक्ष कपकोट 9411113310 या जिला पुलिस नियंत्रण कक्ष 9411112983 को सूचित करें।

### जिलाधिकारी प्रशांत आर्य के निर्देश पर चलाया गया स्वच्छता अभियान

पथ प्रवाह, टिहरी गढ़वाल। जिलाधिकारी प्रशांत आर्य के निर्देशों के क्रम में जनपद में व्यापक स्तर पर वृहद स्वच्छता अभियान चलाया जा रहा है। चारधाम यात्रा के मद्देनजर तीर्थयात्रियों और स्थानीय जनता को स्वच्छ वातावरण उपलब्ध कराने के उद्देश्य से प्रशासन पूरी तरह मुस्तैद है। जिलाधिकारी ने सभी संबंधित विभागों और निकायों को नियमित रूप से सफाई व्यवस्था सुनिश्चित करने और स्वच्छता अभियान चलाकर यात्रा मार्गो को प्लास्टिक और कूड़ा मुक्त रखने के कड़े निर्देश दिए हैं।

स्वच्छता अभियान के अंतर्गत आज गंगा घाटी के अंतर्गत नगर पंचायत गंगोत्री और भारतीय तिब्बत सीमा पुलिस के जवानों द्वारा संयुक्त रूप से यात्रा मार्ग के संवेदनशील पड़ाव भैरव घाटी में विशेष स्वच्छता अभियान आयोजित किया गया। इस अभियान के दौरान यात्रा मार्ग और आसपास के जंगलों से भारी मात्रा में सूखा कूड़ा, प्लास्टिक की बोतलें, रैपर्स और अन्य अपशिष्ट एकत्रित किया गया। टीम द्वारा तत्परता दिखाते हुए कुल लगभग 70 से 80 किलोग्राम कूड़े का संग्रह कर उसे निस्तारण के लिए भेजा गया।

## फर्स्ट टिहरी कॉर्पोरेट प्रीमियर लीग (TCPL) का भव्य समापन, आर डी टाइगर बनी चैंपियन

**पथ प्रवाह, नई टिहरी।**

जिला मुख्यालय स्थित बोराड़ी स्टेडियम में आयोजित फर्स्ट टिहरी कॉर्पोरेट प्रीमियर लीग (TCPL) का भव्य समापन रोमांचक फाइनल मुकाबले के साथ संपन्न हुआ। फाइनल मैच आरडी टाइगर और सोलर सॉलिटियर के बीच खेला गया, जिसमें आरडी टाइगर ने शानदार प्रदर्शन करते हुए 26 रनों से जीत दर्ज कर खिताब अपने नाम किया।

टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए आर डी टाइगर ने निर्धारित ओवरों में 153 रनों का चुनौतीपूर्ण लक्ष्य खड़ा किया। टीम की ओर से रॉबिन ने 39 रन, कुलदीप पवार ने मात्र 10 गेंदों में विस्फोटक 26 रन तथा जयेंद्र पवार ने 16 रन का महत्वपूर्ण योगदान दिया।

154 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी सोलर सॉलिटियर की टीम निर्धारित ओवरों में 6 विकेट के नुकसान पर 127 रन ही बना सकी। टीम की ओर से रोहित ने 50 रन, उदय ने 19 रन तथा विपिन ने 13 रन बनाए, लेकिन टीम को जीत नहीं दिला सके। इस प्रकार आर डी टाइगर ने 26 रनों से शानदार जीत हासिल कर टूर्नामेंट की ट्रॉफी पर कब्जा जमाया।

मैच में शानदार ऑलराउंड प्रदर्शन के लिए कुलदीप पवार को मैन ऑफ द मैच चुना गया। उन्होंने ताबड़तोड़ 26 रन बनाने के साथ-साथ 3 महत्वपूर्ण विकेट लेकर टीम की जीत में अहम भूमिका निभाई। टूर्नामेंट के दौरान उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले खिलाड़ियों को भी सम्मानित किया गया। मोनाल-11 के प्रशांत बिष्ट को प्लेयर ऑफ द टूर्नामेंट चुना गया, जबकि अनूप को सर्वश्रेष्ठ बल्लेबाज तथा पॉलिटेक्निक किंग्स के रणवीर तोमर को सर्वश्रेष्ठ गेंदबाज के पुरस्कार से सम्मानित किया गया। समापन समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित जिला कांग्रेस कमेटी टिहरी गढ़वाल के पूर्व जिलाध्यक्ष राकेश राणा ने विजेता टीम को ट्रॉफी प्रदान करते हुए कहा कि 'खेल जीवन का महत्वपूर्ण आधार हैं। खेल

## दयारा खोज एवं बचाव अभियान जारी, अभी तक नहीं चला लापता महिला का सुराग

**पथ प्रवाह, उत्तरकाशी।**

दयारा बुग्याल ट्रेक क्षेत्र से लापता महिला की तलाश हेतु पुलिस एवं विभिन्न रेस्क्यू एजेंसियों द्वारा व्यापक स्तर पर खोज एवं बचाव अभियान (Search & Rescue Operation) लगातार जारी है।

पुलिस, एसडीआरएफ, एनडीआरएफ, निम (NIM), राजस्व विभाग एवं वन विभाग की संयुक्त टीमें दयारा बुग्याल सहित आसपास के जंगलों, गहरी खाइयों, गदेरों, चट्टानों के बीच स्थित छोटे-छोटे उड्यारों, झाड़ी-झंखाड़ एवं अन्य सभी संभावित स्थानों पर गहन सर्चिंग अभियान चला रही हैं।

रविवार 07 जून 2026 को युकाडा से हेलीकॉप्टर के माध्यम से दयारा ट्रेक एवं आसपास के सम्पूर्ण क्षेत्र का हवाई सर्वेक्षण एवं गहन सर्च अभियान संचालित किया जा रहा है, ताकि किसी भी संभावित स्थान की बारीकी से जांच की जा सके। पुलिस अधीक्षक उत्तरकाशी कमलेश उपाध्याय द्वारा अभियान की निरन्तर समीक्षा एवं निगरानी की जा रही है। उनके निर्देशन में पुलिस उपाधीक्षक उत्तरकाशी जनक सिंह पंवार घटना की सूचना मिलने के बाद से ही दयारा ट्रेक क्षेत्र में कैंप कर स्वयं खोज एवं बचाव अभियान का नेतृत्व कर रहे हैं तथा रेस्क्यू ऑपरेशन की प्रत्येक गतिविधि पर सतत निगरानी रखी जा रही है। लापता युवती की सकुशल बरामदगी हेतु सभी संबंधित एजेंसियां समन्वित रूप से हरसंभव प्रयास कर रही हैं तथा अभियान निरंतर जारी है।

# स्वतंत्रता सेनानी उत्तराधिकारी परिवारों ने पं. श्रीराम शर्मा आचार्य को दी श्रद्धांजलि

**पथ प्रवाह, हरिद्वार।**

स्वतंत्रता सेनानी उत्तराधिकारी परिवार समिति के तत्वावधान में संचालित राष्ट्रव्यापी अभियान हर महीने प्रथम रविवार, दस बजे दस मिनट स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों एवं शहीदों के नाम के अंतर्गत रविवार को देश के 23 राज्यों में विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए गए। इस दौरान ध्वजारोहण, राष्ट्रगीत एवं राष्ट्रगान के साथ स्वतंत्रता सेनानी स्मारकों और शहीद स्थलों पर पुष्पांजलि अर्पित कर देश के वीर सपूतों को नमन किया गया।

हरिद्वार जिले में वटवृक्ष सुनहरा, स्वतंत्रता सेनानी स्तंभ भगवानपुर, लक्सर, रुड़की, बहादराबाद और हरिद्वार सहित अमर शहीद जगदीश वत्स पार्क, जटवाड़ा पुल (ज्वालापुर) में कार्यक्रम आयोजित किए गए। इस अवसर पर स्वतंत्रता संग्राम सेनानी एवं पंडित श्रीराम शर्मा आचार्य की 36वीं पुण्यतिथि पर उन्हें विशेष श्रद्धांजलि अर्पित की

गई।

मुख्य कार्यक्रम अमर शहीद जगदीश वत्स पार्क में आयोजित हुआ, जहां प्रशासन की ओर से नायब तहसीलदार मदन लाल और समिति के अध्यक्ष डॉ. वेद प्रकाश ने संयुक्त रूप से ध्वजारोहण किया। इसके बाद शहीद जगदीश वत्स की प्रतिमा तथा पं. श्रीराम शर्मा आचार्य के चित्र पर माल्यार्पण कर श्रद्धासुमन अर्पित किए गए। कार्यक्रम में उपस्थित स्वतंत्रता सेनानी परिवारों, शहीदों के उत्तराधिकारियों और गणमान्य नागरिकों ने भी पुष्पांजलि अर्पित की। समिति के राष्ट्रीय महासचिव जितेंद्र रघुवंशी ने कहा कि देश के 23 राज्यों में मातृशक्ति मंच और युवा मंच के गठन से स्वतंत्रता सेनानी परिवारों को एकजुट करने में उल्लेखनीय सफलता मिली है। उन्होंने कहा कि पं. श्रीराम शर्मा आचार्य ने राष्ट्र निर्माण और समाज जागरण के क्षेत्र में ऐतिहासिक योगदान दिया तथा भारत को विश्वगुरु बनाने की दिशा में मजबूत आधारशिला रखी। इसी कारण समिति ने भारत सरकार से उन्हें मरणोपरांत भारत रत्न से सम्मानित करने की मांग की है।

पर्यावरण प्रेमी ग्रीनमैन विजय पाल सिंह बघेल ने कहा कि पं. श्रीराम शर्मा आचार्य को उनके जीवनकाल में ही भारत रत्न मिल जाना चाहिए था। वहीं नायब तहसीलदार मदन लाल ने कहा कि स्वतंत्रता सेनानियों के त्याग और बलिदान के कारण ही देश को आजादी मिली और उनके परिवारों की सेवा करना गौरव की बात है।

अरुण कुमार पाठक ने कहा कि देशभर के स्वतंत्रता सेनानी परिवारों को संगठित करने का यह प्रयास आने वाली पीढ़ियों में राष्ट्रभक्ति की भावना को और मजबूत करेगा। सुरेश चंद्र सुयाल ने भी पं. श्रीराम शर्मा आचार्य को भारत रत्न दिलाने के लिए किए जा रहे प्रयासों की सराहना की।

कार्यक्रम में अर्जुन सिंह राणा, अनुराग सिंह गौतम, आदित्य गहलोत, कैलाश चंद्र वैष्णव, प्रमेश चौधरी, जोगिंद्र तनेजा, वेद प्रकाश आर्य, वीरेन्द्र गहलोत, शिवेन्द्र गहलोत, नरेन्द्र कुमार वर्मा, रमेश चंद गुप्ता, हरगोविंद तिवारी, बिजेंद्र सिंह तथा अमित कुमार मीत सहित अनेक गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

## एक नजर

### स्मैक समेत नशा तस्कर को पुलिस ने किया गिरफ्तार

पथ प्रवाह, हरिद्वार। आपरेशन प्रहार के तहत ज्वालापुर कोतवाली पुलिस ने एक आरोपी को स्मैक समेत गिरफ्तार किया है। आरोपी के कब्जे से 3.67 ग्राम स्मैक, मोबाइल फोन व 250 रूपए बरामद हुए हैं। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ एनडीपीएस एक्ट के तहत मुकदमा दर्ज कर उसे कोर्ट में पेश किया। जहां से उसे जेल भेज दिया गया। आपरेशन प्रहार के तहत एसएसपी ने नशा तस्करों पर कड़ी कार्रवाई के निर्देश दिए हैं। निर्देशों के अनुपालन के लिए कोतवाली प्रभारी ने पुलिस टीमों का गठन किया है। शनिवार की देर रात रेल चौकी प्रभारी एसआई समीप पाण्डेय ने सहयोगी पुलिसकर्मियों कांस्टेबल सतवीर सिंह व रवि चौहान के साथ नहर पटरी लालपुल के पास चेकिंग के दौरान साकिर पुत्र जाबिर निवासी मोहल्ला झाडान ज्वालापुर को स्मैक समेत दबोच लिया।

### राजौरी में सैन्य अभियान के दौरान शहीद हुए लेफ्टिनेंट बीरेश्वर गोस्वामी, नम आंखों से दी अंतिम विदाई

पथ प्रवाह, अल्मोड़ा। जम्मू-कश्मीर के राजौरी क्षेत्र में भारतीय सेना के एक सैन्य अभियान के दौरान वीरगति को प्राप्त 5 असम रेजिमेंट के अधिकारी लेफ्टिनेंट बीरेश्वर गोस्वामी को रविवार को उनके गृह जनपद अल्मोड़ा में पूरे सैन्य एवं राजकीय सम्मान के साथ अंतिम विदाई दी गई।

शहीद लेफ्टिनेंट बीरेश्वर गोस्वामी का पार्थिव शरीर सेना के हेलीकॉप्टर द्वारा अल्मोड़ा लाया गया, जहां प्रशासन, सेना के अधिकारियों, जनप्रतिनिधियों तथा बड़ी संख्या में उपस्थित नागरिकों ने उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की। इसके उपरांत पार्थिव शरीर को अंतिम संस्कार हेतु विश्वनाथ घाट ले जाया गया।

विश्वनाथ घाट पर आयोजित अंतिम संस्कार कार्यक्रम में भारतीय सेना द्वारा शस्त्र झुकाकर एवं गार्ड ऑफ ऑनर प्रदान कर शहीद अधिकारी को अंतिम सलामी दी गई। सैन्य परंपराओं के अनुरूप पूरे सम्मान के साथ उनका अंतिम संस्कार संपन्न हुआ।

जिलाधिकारी अंशुल सिंह ने शहीद लेफ्टिनेंट बीरेश्वर गोस्वामी के निधन पर गहरा दुःख व्यक्त करते हुए कहा कि राष्ट्र की रक्षा के लिए दिया गया उनका सर्वोच्च बलिदान सदैव स्मरणीय रहेगा तथा युवा पीढ़ी के लिए प्रेरणास्रोत बनेगा उन्होंने शोक संतृप्त परिवार के प्रति गहरी शोक संवेदनाएं व्यक्त की। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक चंद्रशेखर आर घोड़के, अपर जिलाधिकारी युक्ता मिश्र एवं सैन्य अधिकारियों ने शहीद के पार्थिव शरीर पर पुष्पचक्र अर्पित कर श्रद्धांजलि दी तथा शोक संतप्त परिजनों के प्रति संवेदना व्यक्त की।

मात्र 25 वर्ष की अल्पायु में राष्ट्र सेवा के लिए दिया गया लेफ्टिनेंट बीरेश्वर गोस्वामी का यह सर्वोच्च बलिदान देश के इतिहास में साहस, कर्तव्यनिष्ठा और राष्ट्रभक्ति के प्रतीक के रूप में सदैव स्मरण किया जाएगा।

## आंगनवाड़ी कर्मचारियों ने दिखाई एकजुटता, लक्सर ब्लॉक इकाई का गठन

**पथ प्रवाह, हरिद्वार।**

उत्तरांचल आंगनवाड़ी कर्मचारी संघ (भारतीय मजदूर संघ संबद्ध) की लक्सर में आयोजित बैठक में आंगनवाड़ी कार्यकर्त्रियों और सहायिकाओं ने अपनी विभिन्न समस्याओं और मांगों को लेकर चर्चा की। बैठक में संगठन को मजबूत बनाने और कर्मचारियों के अधिकारों की रक्षा के लिए एकजुट होकर कार्य करने का संकल्प लिया गया। इस दौरान सर्वसम्मति से संघ की लक्सर ब्लॉक इकाई का गठन भी किया गया।

बैठक में भारतीय मजदूर संघ उत्तराखंड के प्रदेश महामंत्री सुमित सिंघल, प्रदेश मंत्री वृंदा तथा प्रदेश कोषाध्यक्ष दमयंती चुफाल ने प्रतिभाग किया। प्रदेश महामंत्री सुमित सिंघल ने कहा कि आंगनवाड़ी कार्यकर्त्रियों और सहायिकाओं के हितों की रक्षा के लिए संगठन की मजबूती आवश्यक है। उन्होंने कर्मचारियों से संगठित होकर अपने अधिकारों की लड़ाई लड़ने का आह्वान किया। प्रदेश मंत्री वृंदा ने कहा कि आंगनवाड़ी कार्यकर्त्रियां सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं को अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं, लेकिन आज भी उन्हें कई चुनौतियों और समस्याओं का सामना करना पड़ता है। उन्होंने भरोसा दिलाया कि संगठन कर्मचारियों के

सम्मान, सुरक्षा और अधिकारों के लिए निरंतर संघर्ष करता रहेगा। प्रदेश कोषाध्यक्ष दमयंती चुफाल ने कहा कि संगठित शक्ति ही कर्मचारियों की सबसे बड़ी ताकत है। उन्होंने सभी कार्यकर्त्रियों और सहायिकाओं से संगठन को और अधिक मजबूत बनाने का आह्वान किया। बैठक में मानदेय वृद्धि, सेवा सुरक्षा, कार्य परिस्थितियों में सुधार और कर्मचारियों से जुड़े अन्य ज्वलंत मुद्दों पर विस्तार से चर्चा की गई। इसके बाद संघ की लक्सर ब्लॉक इकाई की नई कार्यकारिणी का गठन किया गया। नई कार्यकारिणी में नीलम को अध्यक्ष, शबनम को महामंत्री, रेनू पंवार एवं रूपेश को उपाध्यक्ष, शबनूर जहां को कोषाध्यक्ष, निशा और सविता को मंत्री, सुंदर बाला को संगठन मंत्री तथा रूबीना को प्रचार मंत्री चुना गया। वहीं दीपिका, सविता, रानी कश्यप और प्रियंका वर्मा को सदस्य बनाया गया।

बैठक में सभी आंगनवाड़ी कार्यकत्रियों एवं सहायिकाओं ने कर्मचारियों के हितों की रक्षा, संगठन की मजबूती और अपने अधिकारों के लिए पूर्ण निष्ठा एवं समर्पण के साथ कार्य करने का संकल्प लिया। बैठक में मौजूद कार्यकर्त्रियों ने संगठन को जमीनी स्तर पर और अधिक सशक्त बनाने का भरोसा भी जताया।

## हरियाणा की महिला टापू पर फँसी, जल पुलिस ने सुरक्षित निकाला

**पथ प्रवाह, हरिद्वार।**

श्री कृष्णा आश्रम, संन्यास रोड से देर रात सूचना प्राप्त हुई कि आश्रम के पीछे गंगा नदी के पार टापू पर एक महिला फंसी हुई है। सूचना मिलते ही थाना कनखल पुलिस तत्काल मौके पर पहुंची।

गंगा नदी में पानी का बहाव अधिक होने के कारण जल पुलिस टीम को मौके पर बुलाया गया। जल पुलिस द्वारा नाव के माध्यम से टापू पर पहुंचकर महिला का सुरक्षित रेस्क्यू किया गया तथा उसे सकुशल बाहर निकाला गया। रेस्क्यू के उपरांत महिला को उपचार हेतु 108 एम्बुलेंस के माध्यम से जिला चिकित्सालय भेजा गया। पूछताछ में महिला ने अपना नाम मैमवती पत्नी लखन. उम्र 55 वर्ष. निवासी

गैहरब, पलवल (हरियाणा) बताया। महिला ने अपने पुत्रों के नाम सुरेंद्र एवं मुकेश बताए हैं। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार महिला गंगा स्नान के दौरान बहकर उक्त टापू पर पहुंच गई थी। महिला के परिजनों के संबंध में जानकारी जुटाई जा रही है तथा आवश्यक कार्रवाई की जा रही है।

हरिद्वार पुलिस एवं जल पुलिस की त्वरित कार्रवाई से महिला की जान सुरक्षित बचाई गई।

## मस्जिद कमेटी ने स्वयं अवैध मीनारें हटानी की शुरू, नोटिस के बाद की गई कार्रवाई

पथ प्रवाह, हरिद्वार। .05321उत्तराखंड की सरकार राज्य में अवैध निर्माण को लेकर लगातार सख्ती बरत रही है। तीर्थनगरी हरिद्वार जिले के सुल्तानपुर नगर पंचायत क्षेत्र में निर्माणाधीन मस्जिद की अनधिकृत व अवैध रूप से बनी ऊंची मीनारों को हटाने का काम शुरू हो गया है।

जानकारी के अनुसार, वर्ष 2020 में पुरानी जामा मस्जिद की जगह नई और बड़ी मस्जिद के निर्माण का कार्य शुरू किया गया था। वर्ष 2025 में मस्जिद की मीनार की ऊंचाई को लेकर सोशल मीडिया पर एक वीडियो वायरल हुआ था, जिसमें निर्धारित सीमा से अधिक ऊंचाई होने का दावा किया गया था। मामले ने तूल पकड़ा तो मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने जांच के निर्देश दिए थे। जांच में मस्जिद और ऊंची मीनारों को मानकों के अनुरूप नहीं पाया गया और न ही इसके निर्माण के लिए जिला प्रशासन अथवा प्राधिकरण से कोई अनुमति ली गई थी। तब डीएम हरिद्वार ने इसके निर्माण पर रोक लगाते हुए नोटिस जारी किया था, जिसके बाद उक्त मस्जिद के निर्माण कार्य को रोक दिया गया था। जानकारी के अनुसार लक्सर क्षेत्र के सुल्तानपुर की इस मस्जिद के निर्माण से पूर्व इसका नक्शा पास नहीं करवाया गया और फायर सेफ्टी व लोकनिर्माण सहित अन्य किसी विभाग से अनापत्ति प्रमाण पत्र नहीं लिया गया। बावजूद इसके मस्जिद में 250 फिट ऊंची मीनारें खड़ी कर दी गई। बताया गया कि इस मस्जिद को राज्य की सबसे बड़ी मस्जिद बता कर धन संग्रह किया गया है। विदित हो कि सुप्रीम कोर्ट का 2009 और 2016 का ऐसा निर्देश है कि कोई भी धार्मिक भवन या संरचना बिना जिला अधिकारी की अनुमति के नहीं बनाई जा सकती। इसके पीछे वजह यही थी कि एक तो धार्मिक संरचना, सरकारी भूमि पर न बने और इसके निर्माण में सुरक्षा के हर पहलू का ध्यान रखा जाए। सुल्तानपुर मस्जिद निर्माण को लेकर डीएम मयूर दीक्षित का कहना है कि बीते अक्टूबर में ये विषय संज्ञान में आया था तब वहां नोटिस देकर निर्माण कार्य रुकवा दिया गया था। अब मस्जिद कमेटी ने स्वयं मीनारों को हटाने का प्रस्ताव दिया, जिसे प्रशासन ने स्वीकृति दे दी है। मीनारों की ऊंचाई को देखते हुए उसे मैन्युअली ही हटाना संभव है, क्योंकि मशीनों के प्रयोग से दुर्घटना का भय है।

# कौशल्या हत्याकांड का खुलासा: अवैध संबंधों के चलते हत्या, तीन आरोपी गिरफ्तार

**पथ प्रवाह, हरिद्वार।**

चंडी देवी मंदिर रोपवे मार्ग के समीप मिली अज्ञात महिला की हत्या के सनसनीखेज मामले का पुलिस ने पर्दाफाश कर दिया है। करीब 25 दिनों तक चली गहन जांच, 600 घंटे से अधिक सीसीटीवी फुटेज के विश्लेषण और लाखों मोबाइल नंबरों की तकनीकी पड़ताल के बाद पुलिस ने इस हत्याकांड में शामिल तीन आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है। मृतक महिला की शिनाख्त कौशल्या के रूप में हुई। जिसके रामप्रकाश से अवैध संबंध थे। पहले से शादीशुदा कौशल्या रामप्रकाश पर शादी करने के लिए दबाव बना रही थी। इस दबाव से तंग आकर रामप्रकाश ने अपने भाई राकेश और सगे जीजा छेदीलाल के साथ मिलकर कौशल्या की हरिद्वार में हत्या कर दी।

वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक नवनीत सिंह ने प्रेस वार्ता में बताया कि 10 मई 2026 को चंडी देवी मंदिर के रोपवे के पास बंद पड़े पैदल मार्ग पर झाड़ियों में एक अज्ञात महिला का सड़ा-गला शव बरामद हुआ था। शव की स्थिति इतनी खराब थी कि उसकी पहचान करना बेहद मुश्किल था। मौके से दो कुंडल, टूटा मंगलसूत्र, एक सफेद गमछा और गले में कसकर बंधा ब्लाउज बरामद हुआ था, जिससे हत्या की आशंका जताई गई। मामले की गंभीरता को देखते हुए विशेष जांच टीम का गठन किया गया और जांच की जिम्मेदारी एसपी क्राइम निशा यादव को सौंपी गई। पुलिस ने आधुनिक तकनीकों का सहारा लेते हुए मृतका की पहचान के लिए व्यापक स्तर पर जांच शुरू की। इस दौरान महिला के हाथ पर गुदा 'कौशल्या' नाम अहम सुराग साबित हुआ। पुलिस ने वर्ष 2019 से अब तक की गुमशुदगी रिपोर्ट, निर्वाचन अभिलेख, सोशल मीडिया डाटा और तकनीकी विश्लेषण के जरिए जांच को आगे बढ़ाया। करीब 1.64 लाख मोबाइल नंबरों की जांच और 600 घंटे की सीसीटीवी फुटेज खंगालने के बाद 8 मई 2026 की फुटेज में तीन संदिग्धों के साथ एक महिला को चंडी देवी मंदिर की ओर जाते हुए देखा गया। वापसी में महिला उनके साथ नहीं दिखी। तकनीकी विश्लेषण और रूट मैपिंग के आधार पर जांच उत्तर प्रदेश के बांदा जिले तक पहुंची, जहां से राकेश, रामप्रकाश उर्फ गोविंदा और छेदीलाल के नाम सामने आए। पूछताछ में खुलासा हुआ कि मृतका कौशल्या, पत्नी पप्पू निवासी बांदा थी और उसका रामप्रकाश से प्रेम संबंध था।

पुलिस के अनुसार रामप्रकाश पहले से विवाहित था और कौशल्या उस पर शादी का दबाव बना रही थी। इससे परेशान होकर रामप्रकाश ने अपने भाई राकेश और जीजा छेदीलाल के साथ मिलकर हत्या की साजिश रची। आरोपियों ने कौशल्या को चंडी देवी दर्शन के बहाने हरिद्वार बुलाया और गला घोंटकर उसकी हत्या कर दी।

पुलिस ने तीनों आरोपियों को गिरफ्तार कर उनके कब्जे से तीन एंड्रॉयड मोबाइल फोन और एक पिट्ठू बैग बरामद किया है। आरोपियों के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता की धारा 103(1) और 61(2) के तहत कार्रवाई की गई है।

मामले के सफल खुलासे पर पुलिस महानिरीक्षक गढ़वाल परिक्षेत्र ने टीम को 5,000 रुपये तथा एसएसपी हरिद्वार ने 2,500 रुपये के पुरस्कार की घोषणा की है।

पकड़े गए हत्यारोपी-

1.राकेश पुत्र राजा निवासी ग्राम ग्योडीबाबा थाना कोतवाली नगर बांदा जनपद बांदा उ0प्र0 उम्र-25 वर्ष

2.रामप्रकाश उर्फ गोविन्दा पुत्र राजा निवासी ग्राम ग्योडीबाबा थाना कोतवाली नगर बांदा जनपद बांदा उ0प्र0 उम्र-20 वर्ष

3.छेदीलाल पुत्र ईशूरी प्रसाद निवासी ग्राम काहला गंछा थाना कोतवाली नगर बांदा जिला बांदा उत्तर प्रदेश उम्र-24 वर्ष

**पुलिस टीम-**

पुलिस अधीक्षक अपराध निशा यादव, पुलिस अधीक्षक नगर अभय प्रताप सिंह, क्षेत्राधिकारी नगर शिशुपाल सिंह नेगी, प्रभारी निरीक्षक सीआईयू नरेन्द्र सिह बिष्ट, थानाध्यक्ष श्यामपुर नितेश शर्मा, व0उ0नि0 मनोज रावत, उ0नि0 सन्तोष सेमवाल, उ0नि0 मोहन कठैत, म0उ0नि0 रचना पठानिया, अ0उ0नि0 रविन्द्र गौड, अ0उ0नि0 दरम्यान सिंह, हे0का0 प्रेम सिंह सिडकुल, हे0का0 पंकज देवली, का0 राहुल देव,का0 विनित कुमार, का0 अनिल रावत, का0 सुशील चौहान, का0 तेजेंद्र सिंह, का0 ओमवीर सिंह, का0 जितेंद्र घिल्डियाल, का0 अजय चौहान, का0 मनमोहन सिंह, म0का0 माधुरी त्रिपाठी, का0 वसीम सीआईयू हरिद्वार, का0 उमेश-का0 हरवीर सिंह, का0 दीप गौड शामिल रहे।

## एक नजर

### पूर्व केन्द्रीय सशस्त्र पुलिस बल कार्मिक वेलफ़ेयर एसोसिएशन की संगोष्ठी

पथ प्रवाह, हरिद्वार। पूर्व केन्द्रीय सशस्त्र पुलिस बल कार्मिक वेलफ़ेयर एसोसिएशन की संगोष्ठी का आयोजन भेल स्थित सीआईएसएफ कैम्प में किया गया। संगोष्ठी की अध्यक्षता संगठन अध्यक्ष एडवोकेट रूपचन्द आजाद ने और संचालन उपाध्यक्ष सुभाषचंद्र कपूर ने किया। संगोष्ठी के दौरान संगठन के वरिष्ठ सदस्य हरीशचन्द्र भौखण्डी के निधन पर शोक व्यक्त करते हुए उनकी आत्मशांति के लिए प्रार्थना की गयी। एसोसिएशन के अध्यक्ष एडवोकेट रूपचंद आजाद ने हरिद्वार में सीजीएचएस डिस्पेन्सरी खुलवाने के लिए किए जा रहे प्रयासों की जानकारी दी। इस दौरान राजेन्द्र बाबू, पुष्कर, एसके पांडे, राजकुमार रवि, योगेन्द्र सिंह, मदन मोहन, दयाचन्द, मेनपाल सिंह, मामचन्द, तारा प्रसाद, धर्मपाल, राजीव शर्मा आदि मौजूद रहे।

### विश्व साइकिल दिवस पर रैली निकालकर दिया संदेश

पथ प्रवाह, हरिद्वार। जिला खेल कार्यालय, हरिद्वार द्वारा अर्न्तराष्ट्रीय साईकिल दिवस के अवसर पर साईकिल रैली का आयोजन किया। साईकिल रैली का शुभारम्भ शबाली गुरुंग जिला क्रीडा अधिकारी हरिद्वार द्वारा हरी झंडी दिखाकर किया गया।

साईकिल रैली योगस्थली खेल परिसर रोशनाबाद से आरम्भ होकर कचहरी चौक से वापस योगस्थली खेल परिसर रोशनाबाद आकर समाप्त हुयी। साईकिल रैली में लगभग 162 खिलाडियों ने प्रतिभाग किया तथा प्रतिभागियों के लिये खेल विभाग हरिद्वार की तरफ से सूक्ष्म जलपान भी कराया गया।

इस अवसर पर प्रदीप कुमार उप क्रीडा अधिकारी, प्रजापति कुकरेती मुख्य प्रशासनिक अधिकारी, अनुराग राठी, दीपक चन्द जोशी, शिखा बिष्ट सहायक प्रशिक्षक, सौरव पटवाल, अनुराग सिंह धमान्दा, आदित्य गुप्ता, नवीन चौहान, गौरव लोहान, अक्षत कुकरेती, गौरव कुमार, शुभम बोहरा, राजन राणा, मंगल सिंह, अभिषेक मुरारी, अक्षय राठी, शिवानी नैथानी, परमिता गौतम एवं खेल प्रेमी उपस्थित रहे ।

# संतों की सुरक्षा के लिए कानून बनाए केंद्र सरकार- श्रीमहंत रविंद्रपुरी

**पथ प्रवाह, हरिद्वार।**

राजस्थान के कोटा में हुई निरंजनी अखाड़े के महंत देवानंद वन की हत्या पर रोष प्रकट करते हुए संत समाज ने राजस्थान सरकार से आरोपियों को जल्द गिरफ्तार करने की मांग की है।

अखिल भारतीय अखाड़ा परिषद एवं मनसा देवी मंदिर ट्रस्ट के अध्यक्ष श्रीमहंत रविंद्रपुरी महाराज ने बताया कि महंत देवानंद वन की धारदार हथियारों से निर्मम हत्या कर दी गयी थी। पुलिस हत्यारों को अब तक गिरफ्तार नहीं कर पायी है। श्रीमहंत रविंद्रपुरी महाराज ने कहा कि एक प्रतिष्ठित अखाड़े से जुड़े संत की हत्या के आरोपियों को जल्द से जल्द गिरफ्तार कर जेल भेजा जाए और फास्ट ट्रैक कोर्ट में मुकदमा चलाकर कड़ी सजा दिलायी जाए। उन्होंने कहा कि अखाड़ा परिषद एवं संत

समाज का प्रतिनिधिमंडल प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और गृहमंत्री अमित शाह से मिलकर संतों की सुरक्षा के लिए कानून बनाने की मांग करेगा। निरंजनी अखाड़े के सचिव श्रीमहंत रामरतन गिरी महाराज ने कहा कि समाज को आध्यात्मिक मार्गदर्शन प्रदान करने के साथ सनातन के प्रचार प्रसार में अहम भूमिका निभाने वाले महंत देवानंद वन की हत्या बेहद दुखदायी है। राजस्थान सरकार को कड़े कदम उठाते हुए आरोपियों को जल्द गिरफ्तार करना चाहिए। निरंजनी अखाड़े के महामंडलेश्वर एवं भारत माता मंदिर के महंत स्वामी ललितानंद गिरी महाराज ने कहा कि महंत देवानंद वन की हत्या से पूरे संत समाज में रोष है। सरकार को संतों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के साथ महंत देवानंद वन की हत्या के आरोपियों को गिरफ्तार कर संत समाज को न्याय दिलाना चाहिए। स्वामी अनंतानंद, स्वामी रामानुज सरस्वती, स्वामी वेदमूर्ति पुरी, स्वामी आदि योगी पुरी, स्वामी सहजानंद पुरी, स्वामी कपिलानंद सरस्वती ने भी आरोपियों की जल्द गिरफ्तारी की मांग की।

# एसएसपी दून की सख्ती, वाहन की छत पर बैठकर हुड़दंग करना पड़ा भारी

**पथ प्रवाह, देहरादून।**

सोशल मीडिया पर वायरल एक वीडियो, जिसमें एक लाल रंग की ब्रेजा कार संख्या च्17ङ्घ 3081 छत पर बैठकर एक व्यक्ति हुड़दंग एवं सार्वजनिक शांति भंग करता हुआ दिखाई दे रहा था। उक्त वीडियो का तत्काल संज्ञान लेते हुए वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक देहरादून द्वारा प्रभारी निरीक्षक मसूरी को आवश्यक कार्यवाही हेतु निर्देशित किया गयां

एसएसपी के निर्देश पर मसूरी पुलिस द्वारा त्वरित कार्यवाही करते हुए वायरल वीडियो की जांच कर वाहन एवं संबंधित व्यक्तियों की पहचान की गई। तत्पश्चात उक्त वाहन को तलाश कर वाहन को मोटर वाहन अधिनियम के तहत सीज किया गया। वाहन के अंदर व उसकी छत में बैठकर हुड़दंग करने वाले युवकों को हिरासत में लेकर उन्हें भविष्य के लिए सख्त हिदायत देते हुए उनके विरुद्ध पुलिस एक्ट के तहत आवश्यक वैधानिक कार्यवाही की गई।

दून पुलिस आमजन से अपील करती है कि सार्वजनिक स्थानों पर कानून व्यवस्था

बनाये रखे तथा यातायात नियमों का पालन करें। ऐसी किसी भी गतिविधि से बचें, जिससे जनसुरक्षा एवं सार्वजनिक शांति प्रभावित हो। सोशल मीडिया पर पुलिस द्वारा लगातार सतत निगरानी रखते हुए शांति व्यवस्था को प्रभावित करने तथा हुड़दंग करने वालों को चिन्हित कर उनके विरुद्ध लगातार वैधानिक कार्रवाई की जा रही है।

# टिहरी गढ़वाल के तोली गांव के उत्तम लाल तुनियाल को यूएई में मिला सम्मान

पथ प्रवाह, घनसाली। उत्तराखंड के टिहरी गढ़वाल जिले के सुदूरवर्ती गांव तोली, बुढ़ा केदार निवासी उत्तम लाल तुनियाल ने विदेश में प्रदेश का नाम रोशन किया है। उन्हें संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) की 'Pledge and Commitment' National Initiative में सक्रिय भागीदारी और उल्लेखनीय योगदान के लिए Certificate of Appreciation से सम्मानित किया गया है। उत्तम लाल तुनियाल मूल रूप से टिहरी गढ़वाल के बुढ़ा केदार क्षेत्र के तोली गांव के रहने वाले हैं। वर्तमान में वह कार्य के सिलसिले में यूएई में निवासरत हैं। 'Pledge and Commitment' यूएई सरकार की एक राष्ट्रीय पहल है। इस पहल में होटल इंडस्ट्रीज योगदान और प्रतिबद्धता के लिए उत्तम लाल तुनियाल के कार्यों को सराहा गया। उन्हें प्रमाण पत्र देकर उनके निरंतर प्रगति और सफलता की कामना की गई है। इस उपलब्धि से तोली, बुढ़ा केदार सहित पूरे टिहरी गढ़वाल क्षेत्र में खुशी का माहौल है। स्थानीय लोगों का कहना है कि पहाड़ के एक छोटे से गांव से निकलकर अंतरराष्ट्रीय स्तर पर सम्मान पाना पूरे उत्तराखंड के युवाओं के लिए प्रेरणादायक है। यह सम्मान दर्शाता है कि प्रतिभा और मेहनत के दम पर ग्रामीण अंचल के युवा भी वैश्विक मंच पर अपनी पहचान बना सकते हैं।

# डीएम अंशुल सिंह ने ताड़ीखेत में निर्माणाधीन रोडवेज कार्यशाला एवं प्रस्तावित बस अड्डे का किया निरीक्षण

**पथ प्रवाह, अल्मोड़ा**

जिलाधिकारी अंशुल सिंह एवं विधायक प्रमोद नैलवाल ने बीते दिनों ताड़ीखेत स्थित उत्तराखण्ड परिवहन निगम की निर्माणाधीन वर्कशॉप एवं प्रस्तावित बस अड्डे का स्थलीय निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान कार्यशाला हेतु चयनित भूमि, प्रस्तावित निर्माण कार्यों तथा पहुंच मार्ग का जायजा लिया गया। जिलाधिकारी ने संबंधित अधिकारियों को निर्माण कार्यों में तेजी लाते हुए परियोजना को शीघ्र धरातल पर उतारने के निर्देश दिए।

निरीक्षण उपरांत कार्यशाला के लिए पहुंच मार्ग के संबंध में चर्चा की गई तथा सड़क निर्माण हेतु उपयुक्त मार्ग का चयन किया गया। चयनित मार्ग के निर्माण के लिए युवा कल्याण विभाग के निष्क्रिय एवं जर्जर भवन को ध्वस्त कर वहां से निकास मार्ग विकसित किए जाने पर सहमति व्यक्त की गई। वहीं कार्यशाला का प्रवेश मार्ग ताड़ीखेत बाजार की ओर से प्रस्तावित किया गया।

जिलाधिकारी ने प्रस्तावित मार्ग पर मौजूद अतिक्रमणों को चिन्हित कर नियमानुसार आवश्यक कार्रवाई सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। साथ ही स्थानीय व्यापारियों एवं कारीगरों की सुविधा को देखते हुए कार्यशाला परिसर में कैंटीन तथा अन्य आवश्यक दुकानों की व्यवस्था विकसित करने के संबंध में भी निर्देश प्रदान किए। उन्होंने वनभूमि हस्तांतरण की प्रगति की समीक्षा करते हुए संबंधित विभागों को प्रक्रिया में तेजी लाकर प्रस्ताव का शीघ्र निस्तारण सुनिश्चित करने को कहा।

निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी एवं विधायक ने स्थानीय लोगों से संवाद कर उनकी समस्याएं एवं सुझाव भी सुने तथा संबंधित अधिकारियों को आवश्यक कार्रवाई के निर्देश दिए। इस अवसर पर संयुक्त मजिस्ट्रेट दीक्षिता जोशी, क्षेत्रीय परिवहन अधिकारी अनीता चंद, वन विभाग की उप प्रभागीय अधिकारी काकुल पुंडीर सहित संबंधित विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।

## एक नजर

### पालिका अध्यक्ष ने हरी झंडी दिखाकर कूड़ा वाहनों को किया रवाना

पथ प्रवाह, हरिद्वार। सफाई व्यवस्था को सुदृढ़ बनाने के लिए नगर पालिका परिषद शिवालिक नगर के अध्यक्ष राजीव शर्मा ने दो नए कूड़ा वाहनों को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। राजीव शर्मा ने बताया कि नगरवासियों को बेहतर, स्वच्छ और आधुनिक सुविधाएं उपलब्ध कराना नगर पालिका की सर्वोच्च प्राथमिकता है। नए कूड़ा वाहनों से सफाई व्यवस्था को बेहतर बनाने में मदद मिलेगी। इस दौरान पालिका सभासद, नगर पालिका के प्रशासनिक अधिकारी, मुख्य सफाई निरीक्षक सहित पालिका के तमाम कर्मचारी और स्थानीय नागरिक मौजूद रहे।

### नगर पालिका परिषद नरेंद्र नगर में मतदान की तैयारी पूरी

पथ प्रवाह, टिहरी गढ़वाल। जिला निर्वाचन कार्यालय टिहरी गढ़वाल ने बताया कि नगर पालिका परिषद नरेंद्र नगर में दिनांक 9 जून 2026 को मतदान पूर्वाह्न 8 बजे से अपराह्न 5 बजे तक संपन्न कराया जाएगा। निर्वाचन प्रक्रिया को शांतिपूर्ण, निष्पक्ष एवं त्रुटिरहित ढंग से संपन्न कराने के लिए सभी आवश्यक तैयारियाँ पूर्ण कर ली गई हैं।

दिनांक 8 जून 2026 को मतदान कार्मिकों का अंतिम चरण का प्रशिक्षण आयोजित किया जाएगा। इसके उपरांत मतदान दलों को मतदान सामग्री का वितरण कर उन्हें निर्धारित मतदेय स्थलों के लिए रवाना किया जाएगा। जिला निर्वाचन अधिकारी ने निर्देशित किया है कि समस्त रिटर्निंग अधिकारी एवं संबंधित नोडल अधिकारी अपने-अपने दायित्वों का निर्वहन पूरी सतर्कता एवं जिम्मेदारी के साथ करें, ताकि निर्वाचन प्रक्रिया भारत निर्वाचन आयोग के निर्देशों के अनुरूप निर्विघ्न एवं शांतिपूर्ण संपन्न हो सके। आदर्श आचार संहिता के प्रभावी अनुपालन के क्रम में यह भी सुनिश्चित किया जाए कि दिनांक 7 जून 2026 को अपराह्न 5:00 बजे के पश्चात सभी प्रकार का प्रचार-प्रसार पूर्ण रूप से समाप्त हो जाए। इसके बाद किसी भी प्रकार की प्रचार सामग्री का प्रदर्शन न किया जाए।

### भगवती देवी सकलानी का 85 साल की उम्र में निधन

पथ प्रवाह, टिहरी गढ़वाल। स्वतंत्रता संग्राम सेनानी एवं 'वृक्ष मानव' के नाम से विख्यात स्वर्गीय विश्वेश्वर दत्त सकलानी की धर्मपत्नी भगवती देवी सकलानी का आज रविवार प्रातः लगभग 7:00 बजे निधन हो गया। वह लगभग 85 वर्ष की थी। स्वर्गीय सकलानी दम्पती के पुत्र संतोष स्वरूप सकलानी ने बताया कि उनकी माताजी का निधन महंत इंद्रेश अस्पताल देहरादून में रविवार सुबह लगभग सात बजे हुआ। उनका एक माह से पांव के फेक्चर संबंधी इलाज अस्पताल में चल रहा था। भगवती देवी सकलानी अपने पीछे चार पुत्र, बहुएँ, पोते-पोतियों सहित भरा-पूरा परिवार छोड़ गई हैं। उनके निधन से सकलाना क्षेत्र सहित समूचे जनपद में शोक की लहर व्याप्त है। स्वर्गीय विश्वेश्वर दत्त सकलानी पर्यावरण संरक्षण एवं वृक्षारोपण के क्षेत्र में उनके अद्वितीय योगदान के कारण 'वृक्ष मानव' के नाम से देश-विदेश में प्रसिद्ध रहे हैं। उनके परिवार का सामाजिक एवं पर्यावरणीय क्षेत्र में महत्वपूर्ण योगदान रहा है। भगवती देवी सकलानी का अंतिम संस्कार सोमवार प्रातः ऋषिकेश स्थित पूर्णानन्द घाट में राजकीय सम्मान के साथ किया जाएगा।

# केशव नेगी को न्याय दिलाने के लिए सांसद त्रिवेंद्र सिंह रावत आगे आए

**पथ प्रवाह, नई दिल्ली/देहरादून।**

दिल्ली में हुए हालिया हादसे को लेकर राजनीतिक और सामाजिक प्रतिक्रियाएं तेज हो गई हैं। देवभूमि उत्तराखंड के निवासी केशव नेगी के मामले में अब उत्तराखंड के पूर्व मुख्यमंत्री एवं वर्तमान हरिद्वार सांसद त्रिवेंद्र सिंह रावत खुलकर सामने आए हैं। उन्होंने स्पष्ट कहा है कि केशव नेगी को न्याय दिलाने के लिए वे हरसंभव प्रयास करेंगे और इस लड़ाई में उनके परिवार के साथ कंधे से कंधा मिलाकर खड़े हैं।

सांसद त्रिवेंद्र सिंह रावत ने इस मामले पर गहरी चिंता व्यक्त करते हुए कहा कि जैसे ही उन्हें दिल्ली हादसे के बाद केशव नेगी की

गिरफ्तारी की जानकारी मिली, उन्होंने तुरंत अधिवक्ताओं से संपर्क साधा और पूरे मामले की जानकारी ली। उन्होंने कहा कि न्यायिक प्रक्रिया के तहत निष्पक्ष जांच होनी चाहिए ताकि सच्चाई सामने आ सके।

उन्होंने आगे कहा कि उन्हें पूरा विश्वास है कि केशव नेगी को न्याय अवश्य मिलेगा। साथ ही उन्होंने नेगी के परिवार को भरोसा दिलाया कि इस कठिन समय में वे उनके साथ हैं और हरसंभव कानूनी एवं सामाजिक सहयोग प्रदान किया जाएगा।

इस बयान के बाद उत्तराखंड में भी इस मामले को लेकर समर्थन की लहर देखने को मिल रही है। कई सामाजिक संगठनों और स्थानीय लोगों ने भी केशव नेगी के समर्थन में आवाज उठाई है और निष्पक्ष जांच की मांग की है।

फिलहाल यह मामला जांच के दायरे में है और सभी की निगाहें आने वाले दिनों में होने वाली कानूनी प्रक्रिया पर टिकी हुई हैं।

# खेत बचाओ अभियान: कृषि मंत्री गणेश जोशी ने किसानों से वैज्ञानिक एवं प्राकृतिक खेती अपनाने का किया आह्वान

**पथ प्रवाह, काशीपुर।**

प्रदेश के कृषि मंत्री गणेश जोशी ने रविवार को काशीपुर स्थित गन्ना प्रेक्षागृह में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की प्रेरणा एवं केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान के नेतृत्व में आयोजित राष्ट्रव्यापी 'खेत बचाओ अभियान' कार्यक्रम में प्रतिभाग किया। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में किसानों, कृषि विशेषज्ञों एवं विभागीय अधिकारियों ने प्रतिभाग किया।

इस अवसर पर कृषि मंत्री गणेश जोशी ने कहा कि किसानों की मेहनत और नवीन तकनीकों को अपनाने की सोच ही कृषि क्षेत्र को नई दिशा देने का कार्य कर रही है। कृषि मंत्री गणेश जोशी ने किसानों से रासायनिक उर्वरकों के संतुलित एवं कम से कम उपयोग का आग्रह करते हुए कहा कि मिट्टी की उर्वरता बनाए रखने के लिए नियमित मृदा परीक्षण (सॉइल टेस्टिंग) कराया जाना आवश्यक है। उन्होंने किसानों को वैज्ञानिक

तकनीकों, आधुनिक कृषि पद्धतियों एवं जैविक उपायों को अपनाकर खेती को अधिक लाभकारी और टिकाऊ बनाने के लिए प्रेरित किया। कृषि मंत्री गणेश जोशी ने कहा कि मिट्टी का स्वास्थ्य सुरक्षित रखना समय की आवश्यकता है। यदि किसान मृदा परीक्षण के आधार पर उर्वरकों का प्रयोग करेंगे तो उत्पादन लागत कम होगी, फसल की गुणवत्ता बढ़ेगी तथा भूमि की उत्पादकता लंबे समय तक बनी रहेगी। कृषि मंत्री गणेश जोशी ने किसानों से जल संरक्षण, प्राकृतिक संसाधनों के संतुलित उपयोग और पर्यावरण अनुकूल कृषि पद्धतियों को अपनाने का भी आह्वान किया।

# भीड़ में बच्चा खोने से परेशान मां के लिए खाकी ने लौटायी खुशी

**पथ प्रवाह, हरिद्वार।**

भीड़ के बीच तीन साल का मासूम बच्चा खोने से परेशान तलाश में भटक रहे मायूस परिजनों के चेहरे पर पुलिस ने खुशी लौटाने का कार्य किया है। हताशा के बीच खुशी की सौगात देने पर चेहरे पर मुस्कान लिए परिजनों ने जताया हरिद्वार पुलिस का आभार।

पुलिस के मुताबिक सूचना प्राप्त हुई कि की विष्णु घाट के पास से एक 3 वर्षीय बालक घर वालों से बिछड़ गया है। परिजनों ने बताया कि बच्चे के भीड़ में गायब हो

जाने के बाद उन्होंने तलाश के लिए काफी मशक्कत की लेकिन बच्चे का कहीं पता न चला। बच्चे के परिजनों को शक़ था कि बच्चे का अपहरण किया गया है। बच्चे के परेशान परिजनों को सांत्वना देकर सिटी हरिद्वार कोतवाली पुलिस टीम ने गुमशुदा बच्चे की तलाश करते हुए उक्त बच्चे को सीसीआर चौक के पास से सकुशल बरामद किया गया। गुमशुदा को परिजनों के सुपुर्द किया गया। बच्चे को सकुशल वापस पा बेहद खुश दिखे परिजनों ने इस पल को बेहद सुखद बताते हुए कहा कि वो हरिद्वार पुलिस के आजीवन ऋणी रहेंगे।

स्वामी/प्रकाशक वीरेन्द्र सिंह ने मुद्रक प्रमोद कुमार, जय माँ गंगा प्रिन्टर्स, राजराणा कॉम्पलैक्स निकट खाद गोदाम, जमालपुर कलां, ज्वालापुर, हरिद्वार (उत्तराखण्ड) से मुद्रित कराकर, मुख्य कार्यालयः 40 शांतिपुरम कॉलोनी जगजीतपुर, कनखल, हरिद्वार, उत्तराखंड 249408 (उत्तराखण्ड) से प्रकाशित किया। वीरेन्द्र सिंह (सम्पादक) 9411111733, डॉ सुशील शर्मा(उप संपादक) 9837906777 किसी भी वाद विवाद का निपटारा हरिद्वार में होगा। वेबसाईट- www.pathpravah.com